वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 146 | गुरुवार 19 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एमएनआईटी के 18वां दीक्षांत समारोह आयोजित

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्व में अग्रणी बने : राष्ट्रपति मुर्मु

राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति 2024 लाएगी: सीएम

जयपुर. कासं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने। इसके लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को शोध अनुसंधान में मौलिक दृष्टि रखते कार्य करने, पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने और विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया। मुर्मु बुधवार को एमएनआईटी के 18वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि इस समारोह में 20 में से 12 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिलने पर प्रसन्नता जताई तथा कहा कि लड़कियां आगे बढ़ती है तो देश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शोध अनुसंधान में भी छात्राएं आगे रहती है तो इससे देश वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहेगा।

युवाओं की भूमिका ही महत्वपूर्ण : बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत 2047' की जो संकल्पना संजोई है, उसका मूल आधार ही यही है कि भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास की ओर आगे बढें। इसमें युवाओं की भूमिका ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से अर्जित तकनीकी ज्ञान का राष्ट्र के विकास में उपयोग करने पर जोर दिया। बागडे ने एमएनआईटी में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विभाग की स्थापना की सराहना की तथा कहा कि युवा टेक्नोक्रेट्स के लिए आने वाले समय में इससे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यांत्रिक ज्ञान जरूरी है, परन्तु इस ज्ञान के साथ यदि नैतिक और मानवीय मूल्य जुड़े रहेंगे तभी हम सबका

साथ, सबका विकास को सही मायने में सफलीभूत कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की बौद्धिक संपदा हैं। उन्हें देश के लोकतंत्र और बहुलता के आदर्शों को पूरी तरह से समझते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय संस्कृति और 'सर्वे भवन्तु सुखिन' के अंतर्गत सबके मंगल की कामना को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी को राष्ट्र आराधना करते हुए देश और समाज की उन्नति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यसन मुक्त रहते अपने अंदर नैतिक गुणों का अधिक से अधिक विकास किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ तालमेल रखने, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने और जो भी काम मिले, उसे लगन से करने पर जोर दिया। बागडे ने कहा कि प्रयास रहेगा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग प्राप्त करें। पूरे देश में राज्य के विश्वविद्यालय गुणवत्ता की शिक्षा में अग्रणी रहें। उन्होंने संस्थान के आचार्यों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि के लिए कार्य करें।नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा प्रदान करे जिससे वे रोजगार पाने के योग्य नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। अलग-अलग डिपार्टमेंट के 9 स्टूडेंट को डायरेक्टर्स ऑफ गोल्ड मेडल 2023-24 दिया गया। इनमें नव्या कंवर, रिया वर्मा, खुश सांगानेरिया, योगिता पाठक, सुरभि जैन, सूरज कुमार, गुनगुन सिंघल, हर्ष अनिल और कपिल जैन को गोल्ड मेडल दिया गया।

जैन पैदल यात्रा संघ जयपुर द्वारा पर्यूषण पर्व व दसलक्षण पर साढे 5 लाख णमोकार मंत्र का जाप

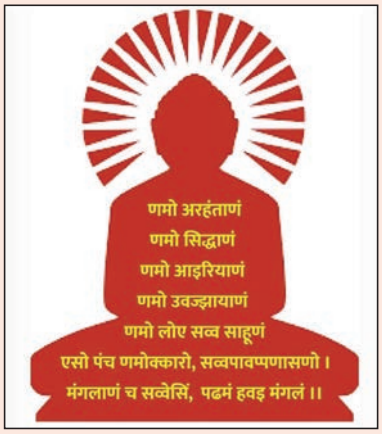

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन समाज के सबसे बड़े आत्म शुद्धि के पर्व पर्यूषण पर्व एवं दसलक्षण पर के दौरान जैन पैदल यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में एक अनूठी मुहिम चलाई गई जिसके तहत दिनांक 31 अगस्त से शुरू हुए पर्यूषण पर्व से लेकर 17 सितंबर अनंत चतुर्दशी तक नवकार महामंत्र की माला एवं जाप किया गया। इस दौरान लगभग 5:50 लाख नवकार महामंत्र का जाप किया गया, इसमें देश के विभिन्न राज्यों और भागों से श्रद्धालु और श्रावकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं इस मुहिम के तहत शुरू किए गए नवकार महामंत्र की माला एंव जाप अपने घरों में बैठकर किया जिसमें प्रतिदिन लगभग 25000 से ज्यादा जाप किये गये। नवकार महामंत्र के जाप में जयपुर के अलावा जोधपुर, भरतपुर, अलवर के अलावा मुंबई, पुणे, गुजरात और पंजाब के साथ-साथ देश के विभिन्न शहरों से श्रद्धालुओं ने और जैन पैदल यात्रा संघ के सदस्यों ने इस नवकार महामंत्र का जाप करके इस यज्ञ में अपनी आहुति दी। परिणाम स्वरूप 18 दिन में लगभग 5,63,737 नवकार महामंत्र का जाप किया गया।

जैन समाज चौमूं द्वारा क्षमा वाणी महापर्व बड़ी धूमधाम से मनाया

चौमूं. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज दसलक्षण पर्व के समापन पर जैन समाज चौमूं द्वारा समाज द्वारा क्षमा वाणी महापर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जैन समाज प्रवक्ता पंकज जैन ने बताया कि प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा एवं शाम को श्री जी के अभिषेक एवं माल डाक हुई शांति धारा करने का सौभाग्य अजय कुमार, लक्ष्य कुमार बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ ज्ञान गंगा प्रतियोगिता में सभी विजेताओं को पहला पुरस्कार नेमीचंद, पियूष पाटनी द्वारा, द्वितीय पुरस्कार सरिता देवी ऋषभ रारा, द्वारा , तृतीय पुरस्कार राजेंद्र कुमार अभिषेक कुमार बडजात्या द्वारा 21 सांत्वना पुरस्कार धन कुमार अनिल कुमार बड़जात्या द्वारा दिया गया। जैन समाज के किन बच्चों ने व्यावसायिक कोर्स किया है उन सभी का आयोजक पंकज बडजात्या सुनील बड़जात्या नितेश पहाड़िया हीरालाल बड़जात्या द्वारा पारितोषिक किया गया इन सभी कार्यक्रम के दौरान जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन मंत्री राजेंद्र उपाध्यक्ष प्रमोद जैन कोषाध्यक्ष अनिल जैन सुरेश जैन नेमीचंद जैन हीरालाल जैन नितेश पहाड़िया मोतीलाल जैन राजेंद्र कासलीवाल सुमन देवी पहाड़िया मधु जैन सुनीता जैन रविता जैन इत्यादि श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे।

अवॉर्ड फेस्टिवल में शशि सक्सेना को मिला बेस्ट पोयेट्री अवार्ड

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। यू आई टी कैंपस के पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित राजस्थान राइटर्स अवार्ड फेस्टिवल में इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ की चार्टर प्रेसिडेंट श्रीमती शशि सक्सेना को एक्सीलेंट पोयेट्री अवॉर्ड से नवाजा गया। अपने सदस्य की इस उपलब्धि पर इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ गौरवान्वित हैं। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी, सेकेट्री डॉ विजेता, डिस्ट्रिक चेयरमेन स्वाति गुप्ता, रेणु लालपुरिया एवं सुशीला मित्तल ने क्लब की और से उनको बधाई दी और सम्मानित किया तथा शशि जी के द्वारा उनकी छपी किताब मे से कुछ कविताएं पढ़ कर सुनाई । मधु बाहेती जी जो खुद एक लेखिका हैं, उन्होंने सभी का धन्यवाद किया।

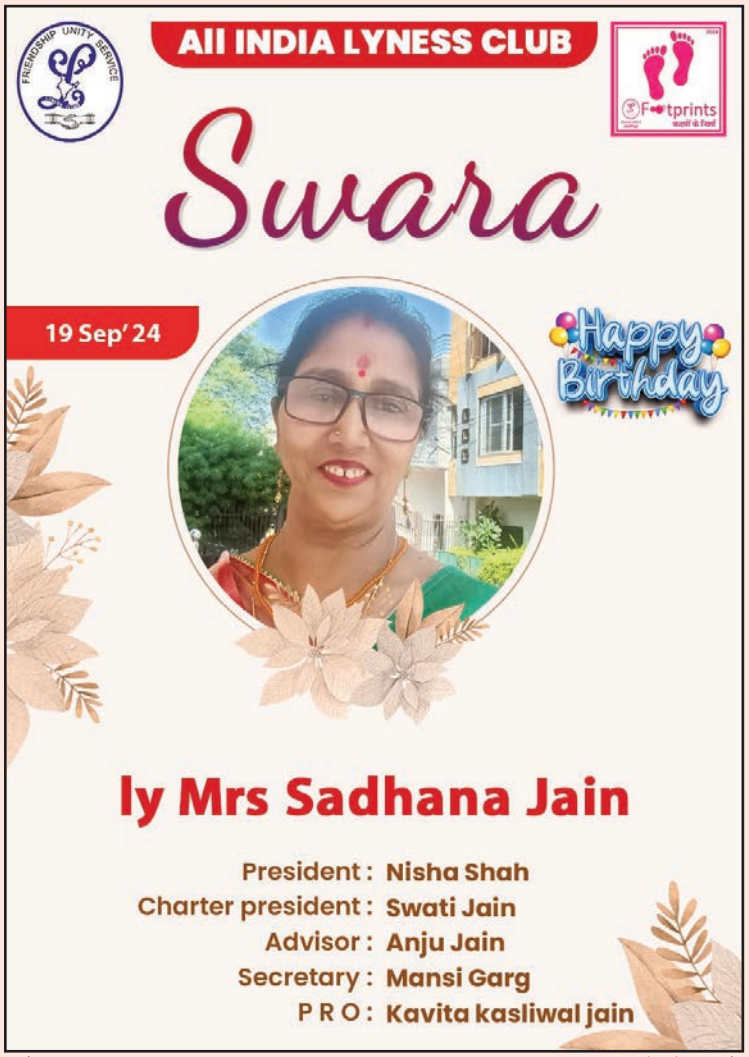

गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

हर देशवासी के दिल में भाईचारा का संदेश पहुंचने वाला है क्षमावाणी महापर्व

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान में क्षमावाणी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने भक्ति भाव के साथ भगवान की अष्ट द्रव्य से पूजन अर्चन कर सातिशय पुण्य कमाया। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य ऋषभ सेठी तिलक नगर जयपुर सपरिवार, रमेश ठोलिया तिजारा एवं चंद्रप्रकाश वैद किशनगढ़ दशलक्षण व्रत उपवास के पारणा के उपलक्ष्य में करवाया। तेला व्रत करने वालों का विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर आज पारणा कराई गई। संघस्थ प्रतीक भैया, ब्रह्मचारिणी रूचि दीदी का पारणा पूज्य गुरु मां के कर कमलों से संपन्न हुआ। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आगामी 19 सितंबर को दोपहर 4:00 बजे से वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन चातुर्मास समिति के द्वारा किया जा रहा है। तत्पश्चात उपवास व्रत करने वालों का सम्मान समारोह एवं संगीतमय अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की मंगल में आरती संपन्न कराई जाएगी। पूज्य माताजी ने क्षमावाणी पर्व के बारे में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां कि-क्षमा वीरों का भूषण है। क्रोध का कारण बनने पर भी क्रोध नहीं करना ही क्षमा है। जो वीर पुरुष होते हैं वही अपने जीवन में क्षमा को धारण कर सकते हैं। जीवन को उज्जवल बनाने वाली यह क्षमा हर एक प्राणी के अंतरंग में विराजमान हो जाए तो सारे देश में से बुराइयां पलायन कर जाएगी। आपस में भाईचारा का संबंध देशवासी के दिल में बना रहेगा।

रिलायंस डिजिटल पर शॉपिंग और रिचार्ज पर मिलेगा मुफ्त जियो एयर फाइबर

नई दिल्ली। रिलायंस डिजिटल ने दिवाली पर 'दिवाली धमाका' ऑफर पेश किया है, जिसमें ग्राहकों को 1 साल तक मुफ्त जियो एयर फाइबर सेवा मिलेगी। यह ऑफर 18 सितंबर से 3 नवंबर 2024 तक नए और मौजूदा जियो फाइबर और एयर फाइबर यूजर्स के लिए उपलब्ध है। नए ग्राहकों को 20,000 रुपए या उससे अधिक की खरीदारी या 2222 रुपए का 3 महीने का दिवाली प्लान लेने पर यह लाभ मिलेगा। मौजूदा यूजर्स 2222 रुपए का एडवांस रिचार्ज करके इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। योग्य ग्राहकों को नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक 12 कूपन मिलेंगे, जिन्हें रिलायंस डिजिटल, माय जियो या जियो मार्ट डिजिटल स्टोर्स पर 15,000 रुपए या उससे अधिक की खरीदारी पर रिडीम किया जा सकेगा।

On the Occasion of Samvatsari, I Am Deeply Apologetic for I Have Impaired in Any Way, Knowingly or Unknowingly, My Words or My Thoughts. Please Forgive Me.
UTTAM SHAMA, SABSE SHAMA, SABKO SHAMA
MICHAMMI DUKKDAAM

Sanjeev kailash chand sanghi
S.K. Sanghi & Co.
SANGHI INSURANCE AND INVESTMENT CONSULTANT
JAIPUR PRINTERS PVT. LTD.
SANGHI TRAVELS & TOURS
Finance & Tax Consultant
Property Purchase, Sales & Rental
(Surat & Jaipur)
Anita Sanjeev Sanghi
AGENT
Life Insurance Corporation of India
The New India Assurance Co. Ltd.
Stat Health And Allied Insurance Company Ltd
(Contact for Mediclaim, Vehicles, Factory, Shop, Godown & Other General Insurance)

Office Address :
Upper Ground Floor 3, Chandni Chowk Appartment, Behind Sharda Yatan School,Piplod , Surat-395007 Gujrat,India

Factory Address :
C 170-171, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-22

Mobile no.- Sanjeev Sanghi- 9374714742, 9106588818
Anita Sanghi- 9374998006, Kailash Chand Sanghi- 9314060975
Email id - sanjeev.sksanghi@gmail.com

Jaipur Address: Plot no 90,Mangal Vihaar Colony, Gopalpura Bye Pass Road, Jaipur-302018 Rajasthan

वेद ज्ञान

निज अनुशासन को सदा महत्व दें

कहा जाता है कि अश्लील चर्चा, अश्लील चित्र, अश्लील फिल्म व वीडियो, अश्लील वार्ता और गलत लोगों का संग व्यक्ति के व्यक्तित्व को बहुत जल्दी खराब कर देता है। इसके अनेक उदाहरण समाज में अक्सर दिखलाई पड़ जाते हैं। प्राचीन उदाहरण देखना हो तो मैं आपसे कहूंगा कि ऋषियों में बड़ी श्रेष्ठ स्थिति थी 'कण्व ऋषि' की। उनका सौव्री नाम का पुत्र था। पिता ने खूब कोशिश की कि मेरा पुत्र बहुत ऊंचा उठे और समाज व संस्कृति के काम आए तथा उसमें कोई कमी न रह जाए। उन्होंने उसे बड़े संस्कार दिये, उसे जगाया, उसे संवारा व खूब संभाला, उसे तपस्या के आनन्द और शक्ति से जोड़ा। वह ऋषिपुत्र छोटी आयु में ही अच्छा तपस्वी बना, तपस्या करते-करते आसमान की ऊंचाइयां छुईं। उस युवा ऋषि में यौवन का उद्दाम और उत्साह चरम पर था। वह अपनी सारी ऊर्जा शक्ति साधना में लगाता रहा। लेकिन दुर्भाग्य देखिये- तपस्या के दौरान वह एक दिवस नदी में स्नान करने के लिए गया और वहां मछलियों की काम क्रीड़ा देखने लगा, उसे उसमें बड़ा रस आया। इसके साथ उसके मन में विकार जागे और तपस्या छोड़कर सीधा राजा के महल में गया और कहा कि मैं गृहस्थ होना चाहता हूं। ऋषियों में खलबली मच गई कि जिस युवा तपस्वी से सभी इतनी उम्मीदें थीं, जो बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंच सकता था, जो युग की चाल को बदल सकता था, उसमें एक नई लहर पैदा कर सकता था, उसमें यह क्या हो गया? वह जाकर कहां बैठ गया? मित्रों! पता नहीं कहां और कब व्यक्ति का मन बिगड़ जाए, वह कब पतन की तरफ चला जाए। चूंकि मनुष्य में अंतर्निहित ऊर्जा अलग-अलग रूप में विस्फोटक स्वरूप में आती है, इसलिए उस असीम ऊर्जा को संभालना पड़ता है। उसको नीचे गिरने के लिए रास्ता चाहिए और उसको अगर थोड़ा सा भी रास्ता मिल गया तो वह पतन की तरफ चली जाएगी और तुम जहां जाना चाहते थे, वहां पहुंच नहीं पाओगे। इसीलिए मैं प्रायः कहता हूं कि अपने पर सदैव कड़ी दृष्टि रखने की जरूरत पड़ती है।

संपादकीय

न्यायपालिका के सामने चुनौतियां कम नहीं

भारतीय न्यायपालिका को विशेष रूप से राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में स्वतंत्रता बनाए रखने का काम सौंपा गया है, लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हाल के फैसले जैसे कि अरविंद केजरीवाल आबकारी मामला और बिलकिस बानो मामला, इन तनावों को उजागर करते हैं। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जहां एजेंसियां राजनीतिक विरोधियों को ही नहीं, बल्कि पत्रकारों, छात्रों और अकादमिक जगत से जुड़े उन

लोगों को भी निशाना बनाती हैं, जो सरकार एवं उसकी नीतियों की आलोचना करते हैं। यह सिलसिला खासतौर से चुनाव के आसपास शुरू होता है। न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में चुनौतियां देखें तो राजनीतिक रूप से आरोपित मामलों में, न्यायपालिका को अक्सर कार्यपालिका के सूक्ष्म या प्रकट दबाव का सामना करना पड़ता है। जब फैसले सरकारी हितों के खिलाफ जाते हैं तो यह विवादास्पद न्यायिक नियुक्तियों, तबादलों या राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में प्रकट हो सकता है। जांच एजेंसियां अक्सर दोषसिद्धि सुनिश्चित किए बिना व्यक्तियों को दंडित करने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को हथियार बनाती हैं। पूछताछ के दौरान ह्यअसहयोगह्ल के लिए हिरासत को लंबे समय तक बढ़ाने की प्रथा को अक्सर कैद में रखने बहाने के रूप में प्रयोग किया जाता है, भले ही ठोस सबूतों की कमी हो । यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 20 (3) में निहित आत्म- दोषारोपण के खिलाफ अधिकार को कमजोर करती है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में निचली अदालतों द्वारा स्वचालित रूप से जमानत से इनकार करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, भले ही कानूनी आधार इस तरह के इनकार को उचित ठहराते हों। न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति बी.आर. दोनों गवई ने इस मुद्दे पर प्रकाश डाला है, यह देख हुए कि ट्रायल कोर्ट और उच्च न्यायालय अक्सर व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने में विफल रहते हैं, खासकर हाई-प्रोफाइल मामलों में। न्यायमूर्ति भुइयां की केजरीवाल की गिरफ्तारी की आलोचना लंबे समय तक हिरासत में रखने के आधार के रूप में 'स्पष्ट जवाब' या 'सहयोग की कमी' जैसे अस्पष्ट औचित्य को स्वीकार करने से इनकार को दर्शाती है। उनके फैसले में स्वतंत्रता से इनकार करने के लिए प्रक्रियात्मक देरी का इस्तेमाल करने के लिए सीबीआई को फटकार लगाई गई और इस बात पर जोर दिया गया कि इस तरह की कार्रवाइयां संवैधानिक सुरक्षा की भावना का उल्लंघन करती हैं। यह न्यायमूर्ति सूर्यकांत के दृष्टिकोण के विपरीत है, जिन्होंने गहन जांच के बिना सीबीआई के तर्क को स्वीकार कर लिया । भुइयां की विस्तृत जांच व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बनाए रखने में सतर्कता की आवश्यकता को रेखांकित करती है। बिलकिस बानो मामले में जघन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराए जाने के बावजूद दोषियों की रिहाई, इसी तरह न्यायिक परिणामों पर राजनीतिक प्रभाव के बारे में चिंता पैदा करती है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

एक साथ चुनाव...

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने पर गृहमंत्री अमित शाह ने जिस तरह यह स्पष्ट किया कि 2029 के पहले एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था कर दी जाएगी, उससे यह स्पष्ट है कि सरकार अपने इस महत्वाकांक्षी वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता का परिचय एक साथ चुनाव कराने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित समिति से भी मिला था। इस समिति ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद अपनी रिपोर्ट में उन बाधाओं को दूर करने के उपाय सुझाए हैं, जो एक साथ चुनाव कराने में आड़े आ सकती हैं। यह रिपोर्ट यही बताती है कि एक साथ चुनाव के विरोध में दिए जा रहे तर्क खोखले ही अधिक हैं। ये तर्क इसलिए भी खोखले साबित होते हैं कि 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे। आखिर इस तथ्य के आलोक में यह कैसे कहा जा सकता है कि एक साथ चुनाव कराना संविधानसम्मत नहीं? क्या जब एक साथ चुनाव होते थे तो वे संविधान की उपेक्षा करके होते थे? इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अब भी लोकसभा के साथ कुछ विधानसभाओं के चुनाव होते हैं। इस बार लोकसभा के साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के चुनाव हुए। आखिर जब लोकसभा के साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हो सकते हैं तो शेष राज्यों के क्यों नहीं हो सकते? वास्तव में यह दलील विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति का ही परिचायक है कि एक साथ चुनाव कराना व्यावहारिक नहीं। एक साथ चुनाव केवल इसलिए नहीं होने चाहिए कि देश को बार-बार होने वाले चुनावों से मुक्ति मिलेगी। ये इसलिए भी होने चाहिए, ताकि संसाधनों की बचत के साथ चुनावी माहौल के कारण पैदा होने वाली अनावश्यक राजनीतिक कटुता से बचा जा सके। बार-बार चुनाव होते रहने से सरकारों को अपनी प्राथमिकताओं में फेरबदल करने के लिए भी बाध्य होना पड़ता है। इससे विकास एवं जनकल्याण के काम प्रभावित होते हैं। एक साथ चुनाव में यदि कुछ बाधक है, तो वह है राजनीतिक संकीर्णता। राष्ट्रहित में इस संकीर्णता का परित्याग किया जाना चाहिए। क्या ऐसे देशों को कम लोकतांत्रिक कहा जा सकता है, जहां संसद के साथ विधानसभाओं के भी चुनाव होते हैं? यह ठीक नहीं कि एक साथ चुनाव का विरोध कर रहे राजनीतिक दल अन्य राजनीतिक एवं चुनावी सुधारों को अपनाने से भी बच रहे हैं। समय की मांग तो यह है कि उन्हें न केवल एक साथ चुनाव पर सहमत होना चाहिए, बल्कि ऐसी कोई व्यवस्था बनाने पर भी राजी होना चाहिए, जिसमें प्रत्याशियों के चयन में कार्यकर्ताओं और साथ ही जनता की भी भागीदारी हो। अभी तो प्रत्याशी चयन में मनमानी ही होती है। हालांकि इसके दुष्परिणाम राजनीतिक दल ही भोगते हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि वे प्रत्याशी चयन की लोकतांत्रिक प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाना चाहते?

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

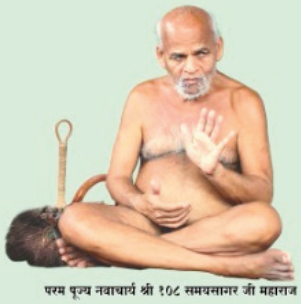

परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज

महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108
श्री सुधासागर जी महाराज

के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ

अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

क्षुल्लक गौरव
श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज

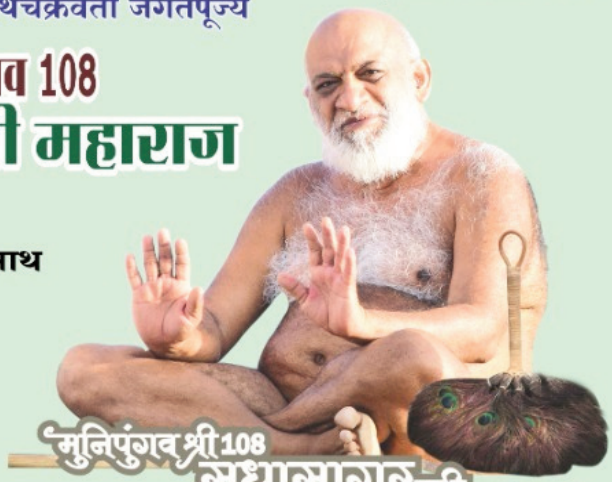

क्षुल्लक गौरव
श्री 105 वशिष्ठ सागर जी महाराज

क्षुल्लक गौरव
श्री 105 विदेह सागर जी महाराज

29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

25-26 सितम्बर, 2024

राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या टीम का विशेष अनुरोध :

आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।

: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	युवा प्रकोष्ठ मंत्री	महिला प्रकोष्ठ मंत्री
शीला जैन डोड्या	श्रीमती इन्दु गाँधी	डॉ. वन्दना जैन	डॉ. ममता जैन	मधु शाह
जयपुर	अशोक नगर	जयपुर	पुणे	कोटा

संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी

सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन

वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।

विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)

सुरेन्द्र जैन (सट्टू)	राजकुमार जैन मिड्ढी	राजेश जैन एडीना	राजेन्द्र जैन केसली	ऋषभ जैन बादरी	सुरेन्द्र जैन डबडेरा	आशीष जैन पटना
अध्यक्ष	महामंत्री	अध्यक्ष	गौरव अध्यक्ष	मुख्य संयोजक	कोषाध्यक्ष	स्वागत अध्यक्ष
93029-12981	94605-67981	93029-12981	94251-71451	93029-10021	98262-93384	94251-72301

दुनिया में कोई भी वस्तु है वह उपकार लिए होती है: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

सागर. शाबाश इंडिया

दुनिया में कोई भी वस्तु है वह उपकार लिए होती है चाहे वह कांट भी क्या ना हो उसमें भी उपकारी गुण होता है महान आत्माएं सब में उपकारी गुण देख लेती दुनिया में ऐसी कोई वस्तु नहीं जिससे किसी ना किसी को नुकसान हो रहा है संसार में जो कुछ भी है उससे किस को लाभ किसी को हानि हो सकती है यहां तक कि सिद्ध भगवान से किसी को हानि किसी को लाभ हो रहा है जितने बड़े आदमी होते जाते हैं वे उतने ही औरो के काम के नहीं रहते बड़े आदमी से काम करना भी नही है सदा बड़े आदमी के काम के लिए तत्पर रहना अकिंचन धर्म में बड़े आदमी से काम करना की मनाही है मां बाप से हमें कोई के करना ही नहीं है यदि करा लिया तो इसके बहुत दुष्परिणाम है बड़ो से काम करने से शक्तियां घटती है आचार्य शुभ चन्द्र महाराज ने लिखा कि ब्रधो की सेवा करने से आपकी अंतरंग शक्तियां दुगडिंत गति से बढ़ते हैं उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में 31वे श्रावक संस्कार शिविर को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा कहा कि आज अंतिम दिन जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया विनोद भइया द्वारा कराए गई जिसका सौभाग्य श्रावक संस्कार शिविर निर्देशक हुकुम काका कोटा राजेन्द्र कुमार प्रकाश चन्द्र हुकुम काका कोटा, अशोक कुमार राजकुमार विवेक कुमार आनद कुमार ठोरा परिवार सुमन जी दगड़ व्यावर राजस्थान, दिनेश गंगवाल जयपुर, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा, राहुल सिंघई, रीनू जैन, टिंकल जैन एन के गारमेंट्स अशोक नगर, अतुल जैन आनंद कटपीस, सुमति कुमार, कमल काला मुम्बई, शिविर पुण्याजर्क ऋषभ बांदरी परिवार सहित अन्य भक्तों को मिला। श्रावक संस्कार शिविर के दौरान विधायक शैलेंद्र जैन पहुंचे और परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान देशभर से आए शिविरार्थी से जय जिनेन्द्र कर सागर नगर में सभी शिविरार्थी का अभिनंदन करते हुए कहा कि भाग्योदय आज लघु भारत बन गया बुंदेलखंड की संस्कारधानी सागर में आज संस्कार का शंखनाद हो रहा है इस दौरान चातुर्मास कमेटी गौरव अध्यक्ष राजेंद्र जैन सुरेन्द्र कुमार बट्टू कार्याध्यक्ष राजेश एडवीना सर्वाध्यक्ष आशीष पटना महामंत्री राजकुमार मिनी मुख्य संयोजक ऋषभ बांदरी कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र वडेरा शिविर निर्देशक हुकुम काका दिनेश गंगवाल आदि ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

जनता कॉलोनी मंदिर में हुए अनंत चतुर्दशी को कालशाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

अनंत चतुर्दशी के कलशाभिषेक दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी प्रांगण में भव्यता के साथ किए गए। जिसमें समाज के अति विशिष्ट लोगों के साथ-साथ समाज के सभी साधर्मी बंधु उपस्थित रहे। कालशाभिषेक के बाद श्री जी की माल का सौभाग्य सुभाष अजमेरा परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जनता कॉलोनी जैन सभा के सदस्य सुधीर गंगवाल द्वारा आयुष जैन के तेले के उपलक्ष में सुनील एंड पार्टी द्वारा भजन की प्रस्तुति करवाई।

श्रीमान आत्मीयजन,
सादर जय जिनेन्द्र।
विगत वर्ष से अब तक मोह, माया, क्रोध, मान, अहंकार, लोभ, राग- द्वेष के वशीभूत होकर हमारे मन, वचन और काया से जो भूल हमसे हुई हैं, उन समस्त अपराधो के लिए हम परिवारजन अपने मन, वचन और काया से आप से महान विनय के साथ सिर झुका कर क्षमा चाहतें हैं।
आशा करते है कि आप अपने अन्तरंग में हमारे प्रति क्षमा धारण करते हुए क्षमा करेंगे।
विनय पूर्वक सादर अभिवादन।
सादर जय जिनेन्द्र।
उत्तम क्षमा। सबको क्षमा। सबसे क्षमा।
मीडिया प्रभारी
राज कुमार जैन अजमेरा
झुमरीतिलैया

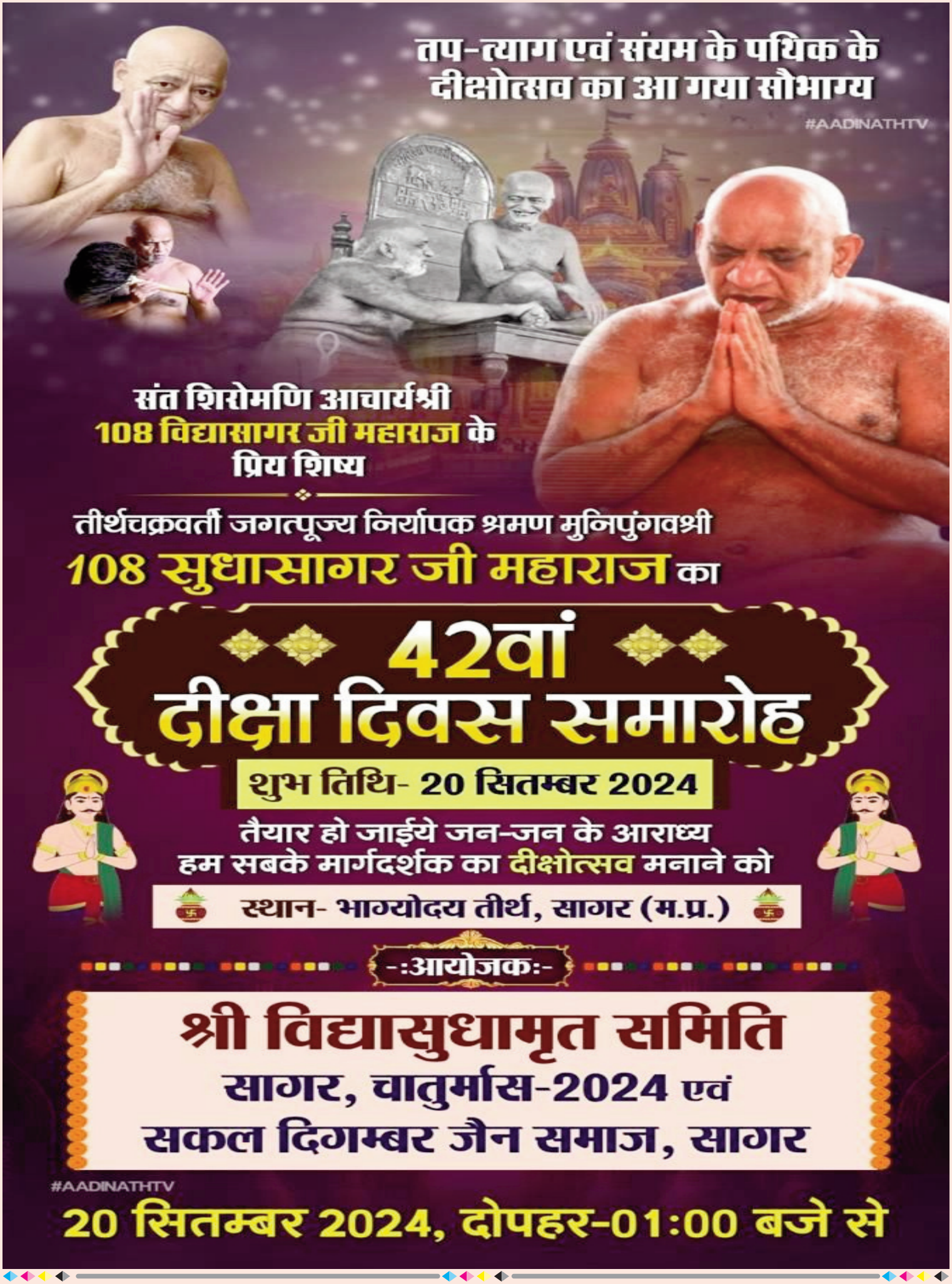
तप-त्याग एवं संयम के पथिक के
दीक्षोत्सव का आ गया सौभाग्य
#AADINATHTV
संत शिरोमणि आचार्यश्री
108 विद्यासागर जी महाराज के
प्रिय शिष्य
तीर्थचक्रवर्ती जगत्पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री
108 सुधासागर जी महाराज का
42वां
दीक्षा दिवस समारोह
शुभ तिथि- 20 सितम्बर 2024
तैयार हो जाईये जन-जन के आराध्य
हम सबके मार्गदर्शक का दीक्षोत्सव मनाने को
स्थान- भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.)
-:आयोजक:-
श्री विद्यासुधामृत समिति
सागर, चातुर्मास-2024 एवं
सकल दिगम्बर जैन समाज, सागर
#AADINATHTV
20 सितम्बर 2024, दोपहर-01:00 बजे से

चित्रकूट दिगंबर जैन मंदिर में अनंत चतुर्दशी का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर चित्रकूट दिगंबर जैन मंदिर में भव्य रूप से अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रीजी का अभिषेक हुआ, मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया ने बताया श्रीजी की माल का सौभाग्य मूलचंद शांति देवी, प्रियंका अखलेश विविध सियोना समस्त पाटनी परिवार दिनेश कॉलोनी वालो ने लिया, मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष केवल चंद जैन निमोडिया, मंत्री अनिल जैन काशीपुरा, मंदिर सदस्य ओम कटारिया, बालमुकुंद, योगेश पाटनी, प्रबंध कारिणी कमेटी ने पुण्यार्जक परिवार का अभिनंदन कर पुण्य की अनुमोदना की।

धामनोद में भगवान को पालकी में विराजमान कर तथा तपस्वियों का बग्गी में बिठाकर भव्य जुलूस निकाला

धांमनोद. शाबाश इंडिया

अनन्त चतुर्दशी के दिन जैन समाज का पर्वाधिराज दसलक्षण महांपर्व का अंतिम दिन था भगवान को पालकी में विराजमान कर बेंड बाजो के साथ व साथ मे तपस्वियों को बग्गी में बिठाकर नगर के मुख्यमार्ग से चल समारोह निकाला गया जगह जगह श्रावक व श्राविकाओं ने श्री जी की आरती की। तपस्वी प्रणीति जैन ने लगातार 10 दिन पानी की बूंद तक नही पीकर निर्जरा उपवास की साधना की उनकी अनुमोदना की। समाज अध्यक्ष महेश जैन व सचिव दीपक प्रधान ने जानकारी देते बताया कि दश लक्षण महापर्व पर बहुत सारे धमार्लंबियों ने तप व साधना की व नित्य पूजन व अभिषेक होता था व दुर्ग से पधारे विद्धवान दिनेश की अमृतमय वाणी से अंतर आत्मा को कल्याण के मार्ग में लगाने का तत्व की बाते से समझाया गया । आज वासपूज्य भगवान का मोक्षकल्याक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया व चल समारोह नगर में भृमण करता हुआ पुनःमन्दिर जी मे पहुचा जहाँ श्री जी को पांडुक शिला पर विराजमान कर स्वर्ण व रजत कलशो से अभिषेक व शान्तिधारा की। मंत्रोचार के बाद भगवान को वेदी में विराजमान किया गया आज इस चल समारोह में पुरुष सफेद वस्त्र व महिलाये केसरिया साड़ी पहनी हुई थी ।जुलस प्रभारी राकेश जैन का धार्मिक व्यवस्था में नीलेश जैन का सहयोग सराहनीय रहा। दस लक्षण में दोनों समय प्रवचन व अर्हम योग व भावना योग अंकिता जैन के मार्गदर्शन में हो रहा था । यह जानकारी सचिव व मीडिया प्रभारी दीपक प्रधान व सजंय जैन संस्कार ने दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन मंदिर में दस दिवसीय उपवास के बाद हुआ पारणा

मुकेश जैन. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़ । निकटवर्ति श्री दिगंबर जैन मंदिर लार मे पर्यूषण पर्व के तहत जैन समाज के श्री आकाश सिंघई, अशोक जैन शिक्षक ने दस दिवसीय उपवास रखकर प्रभु भक्ति में अपना समय व्यतीत किया। इन श्रद्धालुओं का उपवास के बाद पारणा कराया गया। पंडित कमलकुमार शास्त्री ने कहा कि जिस प्रकार इन दस दिनों में धर्म को हमारे अंदर आत्मा में महसूस किया, उसी तरह पूरे साल धर्म का पालन करना चाहिए। उपवास से उतरने से पहले सभी तपस्वियों का समाज द्वारा अनुमोदना कर सम्मान किया गया। जैन सुमति कला मंडल के प्रचार सचिव मुकेश जैन ने बताया कि बुधवार को आकाश जैन (अशोक जैन शिक्षक) का सकल जैन समाज के समक्ष जैन धर्मशाला स्थित जैन मंदिर प्रांगढ़ में दस दिवस के उपवास के बाद पारणा कराया गया। जैन मंदिर में आकाश जैन सिंघई परिवार ने शांतिधारा की। जैन समाज लार के समक्ष पारणा किया। इस अवसर नरेन्द्र जैन पुष्पेंद्र जैन विजय विशारद राजेश जैन दिनेश जैन शिक्षक मयंक जैन वीरेन्द्र जैन आदि मौजूद थे।दस दिवस का उपवास करने वाले आकाश जैन का बुधवार को गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकाला गया। जगह जगह स्वागत किया गया। परना के पश्चात आकाश सिंघई ने कहा कि उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तय संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम अंकिचन और उत्तम ब्रम्हचार्य ये दस आभूषण हैं, उनमें रत्नत्रय के तीन रत्न लगे हुए हैं। इसलिए हमारे जीवन की विचारधाराओं को बदलना आवश्यक है।

दसलक्षण महापर्व के समापन पर निकली शोभायात्रा

रुठियाई. शाबाश इंडिया। नगर में विगत 10 दिनों से चल रहे दसलक्षण महापर्व का समापन जैन मिलन अध्यक्ष अमित जैन सेंकी ने बताया श्री1008 मुनिसुब्रतनाथ मंगलोदय तीर्थ पर प्रथम शांतिधारा शैलेष कुमार, राजेश कुमार, विवेक कुमार, सीमांश, एड, लोकान्त,डा हर्षल,चर्चिल, एड चित्रांस, सेविल,दिव्यांस,अंश चौधरी परिवार । द्वितीय शांतिधारा विजय कुमार , अजीत कुमार, अर्पित कुमार गड़ा परिवार को प्राप्त हुआ। **वार्षिक शांतिधारा का सौभाग्य:** राघोगढ़ के सुप्रसिद्ध एडवोकेट संजय कुमार चौधरी श्रीमती सेलवाला जैन, न्यायाधीश उत्कर्ष जैन - श्रीमती आयुषी जैन एवं डॉ.आकर्ष जैन परिवार पारसनाथ भगवान पर छत्र की न्योछावर राशि स्वर्गीय महेंद्र कुमार की स्मृति में उनके भाई सुरेंद्र कुमार नरेंद्र कुमार एवं सुपुत्र सोहिल , अभिषेक ऋषभ एवं आदिश समस्त गोहिल परिवार। श्री 1008 वासपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य पवन कुमार अमित जैन सेंकी दादा रूठियाई परिवार को प्राप्त हुआ । अनंत चतुर्दशी के जुलूस के साथ संपन्न हो गया। जलूस नरोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी से प्रारंभ होकर ए बी रोड, ल्ला' रोड,, मंगलोदय तीर्थ पहुंचा बह क्षीर सागर का जल की बोली का सौभाग्य रमेशचंद अंकुर जैन अशोकनगर वाले परिवार को प्राप्त हुआ । जुलुस सदर बाजार, एबी रोड होते नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ वापिस मंदिर जी में जाकर समापन हो गया। श्रीजी के अभिषेक की प्रतिक्रिया संपन्न हुई। अभिषेक के लिए पात्रों का चयन बोलियों के माध्यम से किया गया। सोधर्म इंद्र महेंद्रकुमार मुकेश कुमार संतोष कुमार संजय कुमार शशांक सौरभ अमन परिवार को मिला। ईशान इंद्र सुरेंद्र कुमार नरेंद्र कुमार सोहिल अभिषेक ऋषभ आदिश परिवार, सनतकुमार इंद्र रमेश कुमार आशीष कुमार प्रखर मुरानिया परिवार। महेंद्र इंद्र संतोष कुमार अरविंद जैन पटाई परिवार। प्रथम शांतिधारा वीरेंद्र कुमार रितेश कुमार रूपेश कुमार हर्षित जी परिवार। द्वितीय शांतिधारा नरेंद्र कुमार संजय कुमार यश नमन हर्ष मोदी परिवार को प्राप्त हुआ। फुलमाल पहनने का सौभाग्य अशोक कुमार शेलेंद्र हिमांशु डोगर परिवार को मिला। इस अवसर पर जैन समाज के पुरुष महिला बच्चे आदि उपस्थित रहे।

व्रती अभिनंदन समारोह हुआ

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन भवन में दिगम्बर जैन समाज द्वारा दशलक्षण व्रती अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया समारोह के मुख्य अतिथि मोतीलाल बगड़ा थे। वहीं अध्यक्षता लालचंद बगड़ा ने की। विशिष्ट मखनलाल सेठी, अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला, सहित प्रत्युषी छाबड़ा, मंचासीन थे। इस दौरान व्रती पारसमल बगड़ा, गणपति देवी बगड़ा, कुसुमदेवी बगड़ा, द्रियाशा बगड़ा, विनीता बगड़ा, आदिश बिनायक्या, का स्मृति चिन्ह भेंट कर समाज द्वारा सम्मान किया गया। वहीं मां सुपार्श्वमति गौशाला समिति सडू के तत्वावधान में जयप्रकाश बगड़ा, नूतन देवी बगड़ा समिति के पूर्व अध्यक्ष विमल पाटनी द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सभी वृतियो का सम्मान किया गया। सम्मान करने के पश्चात सभी वृतियो को गाजे बाजे के साथ बग्घी में बिठाकर जुलुस के रूप में घर तक गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से हुई। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में सभी व्रतियों का सामूहिक पारणा कार्यक्रम मोहनलाल गजराज सडूवाला परिवार द्वारा रखा गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने वृतियो के तपस्या पर अपने विचार प्रकट करते हुए इस कठोर तपस्या की अनुमोदना की। शाम को नसिया जी समाज का सामूहिक क्षमा वाणी पर्व मनाया गया। इस पर्व में जैन समाज के लोग सामूहिक रूप से एक दूसरे से वर्ष भर में हुई जानी अनजानी गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगते हैं। इस अवसर खेमचंद बगड़ा, सुरेन्द्र बगड़ा, पारसमल सेठी, सुमित छाबड़ा, अमन जैन, सरोज पांड्या, अशोक बिनायक्या, संतोष गंगवाल, चंचल गंगवाल, मनोज पहाड़िया, नवीन बगड़ा, वीरेंद्र पाटनी, सहित काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में समाज के अध्यक्ष सुनील जैन ने सभी समाज बंधुओ का आभार व्यक्त किया। व्रती अभिनंदन समारोह का सफल संचालन मैना देवी पाटनी व नेहा छाबड़ा ने सयुक्त रूप से किया।

मंजू जैन के दसलक्षण के उपवास पर हुई विनतिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। शांति नगर निवासी श्रीमती मंजू जैन धर्मपत्नी टीकम चंद ठोलिया ने दस लक्षण के पावन अवसर पर दस दिन के उपवास किए। इस अवसर पर श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में पुलक मंच द्वारा विनतियो का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक उपस्थित थे।

क्षमावाणी पर्व पर हुए श्री जी के पंचामृत अभिषेक

जैन समाज ने मनाया सामूहिक रूप से क्षमावाणी पर्व

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी मेहंदवास निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे में सारे सकल जैन समाज ने सामूहिक रूप से क्षमावाणी पर्व मनाया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए अवगत कराया कि फागी परिक्षेत्र सहित आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय, मुनिसुव्रतनाथ भगवान मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय एवं चंद्र प्रभु नसियां, एवं चंद्रपुरी मंदिर में सभी जिनालयों श्रीजी का कलशाभिषैक हुआ कार्यक्रम में आदिनाथ जिनालय बडा मंदिर तथा चंद्रप्रभु नसियां जी मे दूध, दही, धृत, बूरा, केसर तथा सर्वोषधि से भव्य पंचामृत अभिषेक हुए, समारोह के कार्यक्रम में क्षमावाणी पर्व पर सरावगी समाज के केलास कासलीवाल एवं अध्यक्ष महावीर अजमेरा एवं ने संयुक्त रूप से अवगत कराया कि क्षमा शीलवान का शस्त्र एवं अहिंसक का अस्त्र है, क्षमा प्रेम का परिधान है, विश्वास का विधान है, क्षमा नफरत का निदान है पवित्रता का प्रवाह है , जब तक मन की कटुता दूर नहीं होगी तब तक क्षमावाणी पर्व मनाने का कोई अर्थ नहीं है, कार्यक्रम में सुरेश सांघी एवं राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि हमको समस्त कलुषता एवं कटुता को भूलकर एक दूसरे से माफी मांगते हुए, ओर एक दूसरे को माफ करते हुए सभी गिले-शिकवों को दूर कर क्षमा पर्व मनाना चाहिए। दिल से मांगी गई क्षमा हमको सज्जनता एवं सौम्यता के रास्ते पर ले जाती है, जैन धर्म ही हमें क्षमा भाव रखना नहीं सिखाता बल्कि सभी धर्म कहते हैं कि हमें सबके प्रति अपने मन में दया और क्षमा का भाव रखना चाहिए तभी मनुष्य का आत्मकल्याण संभव है। कार्यक्रम में सांयकाल चंद्रप्रभु नसियां जी मे कलशाभिषैक होने के बाद समाज के सभी श्रावक श्राविकाओं ने गत वर्ष में हुई भूलों के लिए एक दूसरे से क्षमायाचना करने के बाद मिश्री -खोपरा खिलाकर क्षमावाणी पर्व मनाया गया कार्यक्रम में सरावगी समाज के प्रेमचंद भंवसा, मोहन लाल झंडा, सोहनलाल झंडा, केलास कलवाडा, कैलाश कासलीवाल, चम्पालाल जैन , महावीर झंडा ,महावीर बावड़ी, महावीर अजमेरा, भागचंद कासलीवाल, सुकुमार झंडा, सत्येंद्र कुमार झंडा, राजेश छाबड़ा, एडवोकेट रवि जैन, शिखर गंगवाल, रमेश बावड़ी ,महावीर लदाना, पारसनला, सुरेश डेठानी, शिखर मोदी, महावीर मोदी, पदम बजाज, त्रिलोक ब्रोकर, अशोक गिंदोडी, राकेश कठमाना, सुरेंद्र पंसारी, अनिल कठमाना, संतोष बजाज, ललित मांदी, ललित कासलीवाल, जितेंद्र कुमार मोदी, सुशील कलवाड़ा, कमलेश झंडा, कमलेश सिंघल, महेश बावड़ी, विनोद कागला, अनिल कठमाना, पार्षद महेश झंडा, त्रिलोक जैन पीपलू , अशोक कागला, विमल कलवाड़ा, सुनील बजाज, पार्षद राजकुमार कागला, तथा कमलेश चौधरी सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

प्रतिभाओं एवं व्रतियों का सम्मान समारोह आयोजित

संस्था के अध्यक्ष सौभागमल गंगवाल, मंत्री सुभाष पहाड़िया ने बताया कि अजित पहाड़िया, जयकुमार पहाड़िया, श्रीमती हीरामणी, मनोज-अम्बिका पाटोदी ने भगवान महावीर के सामने दीप प्रज्जवलन किया।

कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया

जैन समाज का 14 वॉ प्रतिभा व व्रतियों का सम्मान समारोह सौजन्य कर्ता श्रीमती हीरामणीदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री आनन्दजी पाटोदी परिवार कुचामन के सहयोग से कल्याण मण्डपम में श्री जैन वीर मण्डल के तत्वाधान में दिनांक 18.09.2024 को दसलक्षण पर्व समापन पर जैन समाज द्वारा आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष सौभागमल गंगवाल, मंत्री सुभाष पहाड़िया ने बताया कि अजित पहाड़िया, जयकुमार पहाड़िया, श्रीमती हीरामणी, मनोज-अम्बिका पाटोदी ने भगवान महावीर के सामने दीप प्रज्जवलन किया। संस्था कोषाध्यक्ष देवेन्द्र पहाड़िया ने बताया कि कार्यक्रम में सर्व प्रथम गुंजन गंगवाल, विपुल गंगवाल, अलका देवी गंगवाल, मनीषादेवी गंगवाल, सरोजदेवी कासलीवाल, जिज्ञासा झांझरी का दसलक्षण व्रत करने वाले वतीयों का माला मुकुट, शॉल प्रशस्ती पत्र द्वारा सम्मान किया गया। दीपक तेला करने वाले शोभा रावंका, ममता झांझरी, सोनू झांझरी, नेहा पहाड़िया, एकता पहाड़िया, शिवानी काला, अनिरुद्ध रावंका, सिद्धार्थ सेठी, सलोनी पहाड़िया, दिशान्त काला, गौरव डोसी, सलोनी झांझरी, साक्षी झांझरी, खुश्बू बज, चहेता सेठी, अमन पाटोदी, अवनी काला, सम्यक बड़जात्या, इशिता गंगवाल संस्था द्वारा तिलक, माला, मुकुट द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष सौभागमल गंगवाल ने बताया कि जैन समाज की प्रतिभाएं आस्था झांझरी (एम.बी. बी एस.) नवीन गंगवाल, मोनू पाटोदी, (सी.ए.), खूश्बू पहाड़िया (सी.एस.), सौरभ पहाड़िया (एल.एल.बी), एश्वर्या काला (एम.बी.ए.) दर्शन पहाड़िया, अंकित जैन (बी.टेक) परीक्षाओं की डिग्री प्राप्त करने पर, वैशाली पहाड़िया, रिद्धी झांझरी, वैभव पाण्डया, नव्या पाटनी (सिनीयर सैकेण्डरी), रक्षा पाटोदी, काव्या पाटनी, महिमा बज, समीक्षा जैन, प्राशुक पहाड़िया, अर्चिता जैन, मिताली पहाड़िया, रक्षा बड़जात्या, (सैकण्डरी) के परीक्षाओं की सर्वोत्म अंक प्राप्त करने पर सभी प्रतिभाओं का संस्था द्वारा तिलक, माला, सम्मान पत्र, मेडल देकर पुरस्कृत करते हीरामणी, मनोज-अम्बिका एवं मंचासीन अतिथियों व संस्था सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। विदुषी बा.ब्र. मंजू दीदी एवं अन्जू दीदी, ने संस्था द्वारा व्रतीयों, गणमान्य, समाज की प्रतिभाओं व सेवा प्रकल्पों के तहत वेदना में सहायता हेतु सेवार्थ में मेडीकल उपकरण योजना, रक्तदान शिविर, कार्यों के प्रति साधुवाद दिया। समाज के गणमान्य सुमेरमल बज, श्रीमती मनोरमादेवी पहाड़िया, युगल दम्पती नेमीचन्द-विनोद देवी पहाड़िया का संस्था द्वारा माला, मुकुट, शॉल, सम्मान पत्र व जाप्य माला देकर सम्मानित किया गया। 2025 में प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु नथमल, सौभागमल, विजयकुमार गंगवाल परिवार एवं 2026 के लिए पानादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री कैलाशचन्द, संदीप-रोषी पहाड़िया परिवार द्वारा अगामी प्रतिभा सम्मान समारच्ह के लिए आर्थिक सहयोग देने की घोषणा करने पर सम्मानित किया गया। अशोककुमार अजमेरा, प्रमोद पान्ड्या, अभिषेक पाटनी, महेन्द्र पहाड़िया, सचिनकुमार गंगवाल, प्रवीण, विकास पहाड़िया आनन्द सेठी, गौरव गंगवाल, विकास पाटोदी, विशाल जैन ने कार्यक्रम में सहयोग किया। मंच संचालन अशोक झांझरी, सुभाष रावंका ने किया।

सुभाषचन्द पहाड़िया,
मंत्री

महापर्वः दशलक्षणधर्मः उत्तमक्षमधर्मात आरभ्य क्षमवाणीपर्वेण समाप्तः भवति।
अस्मिन शुभे अवसरे वयं ज्ञात्वा अज्ञात्वा वा कृतानां दोषाणां क्षमायाचनां कुर्मः।

क्षमावनत
रूक्मणी देवी जैन
भाग चंद जैन- अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर
से. नि. सहायक महा प्रबंधक एसबीआई
पूर्व परामर्शदाता प्रबंधकीय सेवा एसबीआई लाइफ
पूर्व सदस्य आयकर विभाग सलाहकार समिति;
पूर्व नोडल अधिकारी एनएचएआई
मनोरमा जैन
आशीष बाकलीवाल- रीजनल हेड एसएमई आईसीआईसीआई बैंक
आशिका जैन- व्याख्याता वनस्पति विज्ञान
अधीश जैन मित्रपुरा परिवार।

क्षमावाणी पर्व मनाया

वर्ष भर की गई गलतियों की एक दूसरे से क्षमा याचना करी, श्री जी के भव्य पंचामृत अभिषेक हुए

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन नसिया और बड़ा तख्ता जैन मंदिर में सामूहिक क्षमावाणी पर्व बालाचार्य निपुण नंदी जी महाराज के सत्संग सानिध्य मेंबड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इसको लेकर सभी लोग एक दूसरे से साल भर में की गई गलतियों क्षमा याचना करी समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता और वषायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया ने बताया कि पर्यूषण पर्व से अंत में समापन पर क्षमावाणी पर्व के दिन श्री दिगंबर जैन मंदिर बड़ा तख्ता में सायकाल मे श्रीजी के पंचामृत अभिषेक जिसमें दूध ,घी ,केसर ,चंदन सर्व औषधी से भव्य पंचामृत अभिषेक हुए तत्पश्चात श्रीजी की माल पहनाई गई उसके बाद सभी एक दूसरे से पैर छूकर बड़ों का आशीर्वाद

लिया एक दूसरे से क्षमा याचना करी एवं समाज के लोग घर घर जाकर क्षमा याचना की साल भर में कोई गलती हो तो माफ करना इस मौके पर सुबह से ही फेसबुक, व्हाट्सप्प, स्टेटस पर भी एक दूसरे से क्षमा याचना करते हुए नजर आए इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी इस मौके पर पदमचंद आड़रा ,श्याम लाल जैन सुरेशचंद संघी पप्पु मलारना, महावीर पासरोटियां, आदि समाज के लोग उपस्थित थे। इसे पूर्व श्री दिगंबर जैन नसिया में 10 लक्षण महामंडल विधान का विश्वशांति महायज्ञ के साथ रिद्धि सिद्धि मंत्र के साथ हवन किया गया और सभी विधान में बैठने वाले सबका सम्मान इस मौके पर श्रावक संस्कार शिविर के सभी शिवयार्थी और सागर जिले से आए विधानाचार्य पंडित मनोज जी शास्त्री को माला दुपट्टा तिलक लगाकर सम्मान किया गया। समापन के मौके पर वर्षायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया एवं समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता ने सभी का आभार प्रकट किया ।

वार्षिक उत्सव कार्यक्रम

भगवान पार्श्वनाथ एवं शांतिनाथ के सामुहिक कलशाभिषेक में उमड़ा जनसैलाब

दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर एवं बिचला जैन मंदिर में कलशाभिषेक का हुआ आयोजन

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर एवं बिचला जैन मंदिर में आयोजित वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में सामुहिक कलशाभिषेक आयोजित किया गया जिसमें हजारों जैन समाज के श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि जैन धर्म में भाद्रपद माह का पर्युषण दशलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर चतुर्दशी के दिन दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर एवं बिचला जैन मंदिर में सामुहिक भगवान पार्श्वनाथ का कलशाभिषेक आयोजित

किया गया जिसमें भगवान का पंचामृत अभिषेक करके जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज के मुखारविंद से जिनेन्द्र देव के सामुहिक कलशाभिषेक में जैन धर्म के हजारों श्रद्धालुओं ने वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ लिया। समाजसेवी हितेश छाबड़ा एवं राकेश संधी ने बताया कि वार्षिक उत्सव कलशाभिषेक कार्यक्रम में भगवान की रजतमयी माला पहनने का सोभाग्य सन्मति कुमार सुकुमार जैन धनपाल जैन मोहित जैन चंवरिया को एवं राजकुमार जैन रितिक जैन संधी परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। जौंला ने बताया कि सामुहिक वार्षिक उत्सव कलशाभिषेक कार्यक्रम में जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। इस अवसर पर जैन समाज कार्याध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल मंत्री महावीर प्रसाद पराणा सुरेश पाटनी अशोक कटारिया महावीर प्रसाद छाबड़ा महेन्द्र चंवरिया विनोद जैन मोहित चंवरिया विमल गिन्दोडी अशोक बिलाला त्रिलोक सिरस पारसमल पराणा हितेश छाबड़ा मनोज पाटनी पवन बोहरा सुरेश गिन्दोडी.राजेन्द्र पाटनी नवीन खण्डवा बंटी झांझरी पदम जौंला विमल सोगानी हेमचंद संधी सुरेन्द्र टोंग्या महेन्द्र संधी विष्णु बोहरा चन्द्रप्रकाश जौंला अतुल ठोलिया त्रिलोक रजवास मंयक छाबड़ा ताराचंद गोयल संजय सोगानी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जैन समाज ने क्षमावाणी पर्व मनाया

पंडित जयन्त कुमार शास्त्री का भी सम्मान कर वाणी भूषण की उपाधि से सुशोभित किया

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन परंपरा में पर्युषण (दशलक्षण) महापर्व के ठीक एक दिन बाद जो महत्वपूर्ण पर्व मनाया जाता है, वह है - क्षमा पर्व। इस दिन श्रावक (गृहस्थ) और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- 'मिच्छा मे दुक्कडं' अर्थात मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं। अध्यक्ष गोपाल काला मंत्री पवन छाबड़ा ने बताया कि बजाज रोड स्थित नया दिगंबर जैन मंदिर में शांति धारा करने का सौभाग्य सुशील कुमार विवेक कुमार काला परिवार दांता वालो को मिला साथ ही जैन समाज के दसलक्षण के उपवास करने वाले व्रतियों का हुआ प्रातः पारणा उनके निवास स्थान पर हुआ प्रियंक जैन ने बताया कि सौरव अजमेरा आयुषी दीवान दीक्षा बिनायक्या बहुमान के सम्मान समाज के विभिन्न संगठनों एवं जैन मंदिरों द्वारा किया गया सा दिन नया मंदिर प्रबंध समिति द्वारा अखिल भारतीय शास्त्री परिषद के उपाध्यक्ष पंडित जयन्त कुमार शास्त्री का भी सम्मान कर वाणी भूषण की उपाधि से सुशोभित किया ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ज्योति दीदी के सानिध्य में मंदिर जी में 108 कलशो के श्री जी के अभिषेक किए गए। साथ ही ब्रह्मचारी दीदी ने बताया कि क्षमा वीरस्य भूषणम अर्थात जिसके जीवन में क्षमा है, वही सही मायनो में महान है ।यह तो वीरों का आभूषण है ।कहा गया कि क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र है। क्रोध न करना ही क्षमा का दूसरा नाम है। सांयकाल शहर के बजाज रोड़ स्थित दिगंबर जैन तेरहपंथी पंचायत नया मंदिर व जाट बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर दीवान जी की नसियां में क्षमावाणी के कलशाभिषेक हुए। सांयकाल शहर के बावड़ी गेट स्थित दिगंबर जैन बीस पंथ आमनाय बड़ा मंदिर में क्षमावाणी के अवसर पर अभिषेक हुए।

दस लक्षण पर्व पर तपस्वीयों की प्रभावना का जुलूस निकाला, क्षमा वाणी पर्व मनाया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिडावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान दस लक्षण पर्व के दौरान दशलक्षण पर्व, पंचमेरू जी, रत्नत्रय जी के व्रत, त्याग, तपस्या करने वाले तपस्वियों का जुलूस गाजे बाजे के साथ श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर से निकाला गया। तपस्वीयों की प्रभावना वह रत्नत्रय की शोभायात्रा बड़ें ही हर्ष और उल्लास के साथ बड़े मंदिर से प्रारंभ हुई। जो पिपली चौक, शहर मोहल्ला , सेठान मोहल्ला, खंडपुरा, नयापुरा होते हुए सभी मंदिरों में रत्नत्रय जी के अभिषेक करते हुए श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर शहर मौहल्ला पहुंची। जहां पर आचार्य आर्जव सागर महाराज के प्रवचन हुवे प्रवचन के बाद पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद सभी का वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में सभी तपस्वियों को बघ्घी में बिठाकर गाजे बाजे के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस में सभी श्रावक सफेद वस्त्र में व श्राविकाये केसरिया साड़ी में व लड़कियां मर्यादित ड्रेस में भगवान की भक्ति करते हुए चल रहे थे। इस अवसर पर दशलक्षण पर्व के 10 उपवास करने वाली रेखा जैन, पंच मेरू जी के पांच उपवास करने वाले नरेंद्र जैन, निक्की जैन, दो उपवास एक व्रत करने वाली स्नेहलता जैन व तीन उपवास वाले सचिन जैन, चेतन जैन, कनक जैन, साधना, बेटी जैन, सुहानी, चाहत तपस्वीयों को समाज के द्वारा बहुमान किया गया । जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि जैन धर्म में क्षमा वाणी पर्व का बहुत महत्व है। इसमें प्राणी मात्र से अपने द्वारा विगत वर्षों में जाने अनजाने, व्यवहार से, बोलचाल से, हंसी मजाक में या किसी भी कारण कोई भूल हुई हो या किसी का मन दुखी हुआ हो या किसी के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई हो, उसके लिए मन, वचन, काय से क्षमा का भाव रखते हुए सबसे क्षमा याचना करते हैं। संध्या समय भगवान की संगीतमय मंगलमय आरती के बाद सकल जैन समाज का बड़े मंदिर से क्षमा वाणी का कार्यक्रम शुरू हुआ। जहां आपस में सभी ने एक दूसरे से क्षमा याचना की गई व घर-घर जाकर बड़े, बुजुर्गों के पेर छुए।

महावीर इंटरनेशनल उदयपुर ने सेवा कार्यों में रचा इतिहास

उदयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र स्वर्ण जयंती वर्ष के निमित सेवा प्रकल्प एवं कार्यों की श्रृंखला में ''सबकी सेवा सबको प्यार'' के साथ गोल्डन जुबली वर्ष के प्रथम माह में युवा अध्यक्ष सुनील गांग के नेतृत्व में 51 सेवा कार्यों के साथ उदयपुर केंद्र निरंतर देश भर में सभी केंद्रों में अग्रिम रहते हुवे गतिमान है। इसी क्रम में आज प्रातः कालीन सत्र में दो एवम दोपहर में एक एवम सांय कालीन सत्र में एक सेवा कार्यों के साथ एक दिन मे चार सेवा प्रकल्प कर समाज कल्याण में अग्रसर है । प्रातः स्थाई प्रकल्प /बाल चिकित्सालय, जनाना वार्ड एवं दिव्य मदर मिल्क बैंक नियमित सेवा गतिविधि के अंतर्गत शिशु सुरक्षा, बेबी किट वितरण, दुग्धदात्री मातृशक्ति को फल एवं नारियल पानी वितरण महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के बाल चिकित्सालय, जनाना चिकित्सालय एवं दिव्य मदर मिल्क बैंक में जरूरतमंदों आवश्यक सामग्री बेबी किट्स, बड़ी कटोरी, छोटी कटोरी, गिलास, चम्मच, पलाड़ी, बेबी स्पून, पेटिकोट, बेबी ड्रेस, कंगारू बैग्स, बिस्कुट के पैकेट, सत्तू , साड़ीया, शर्ट्स, जूस, फल आदि का वितरण आवश्यकता अनुसार प्रत्येक वार्ड में किया गया। द्वितीय चरण में सेवाभावी सदस्य वीर दौलत सिंह जी भंसाली की और से आयड़ जैन मंदिर भोजनशाला में जरूरतमंदों हेतु भोजन सेवा प्रकल्प के तहत श्री श्री ज्ञान मंदिर बालिका विद्यालय घोड़ा घाटी , पारोला, गिर्वा उदयपुर की जरूरतमंद 125 बच्चियों को गुलाब बाघ एवम फतहसागर भ्रमण पश्यात भंसाली परिवार के सहयोग से मीठा भोजन कराया गया। तृतीय चरण में दोपहर में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के तहत सरस डेरी गोवर्धन विलास उदयपुर के समीप मेंन रोड पर डिवाइडर में 12 बड़े वृक्ष ट्री गार्ड के साथ लगाए गए जिसमे 10 वृक्ष नरेंद्र भारतीजी मेहता सर्व ऋतु विलास के सौजन्य एवम दो पेड़ आशा मेहता (स्वर्गीय सुरेश सिंह मेहता की स्मृति में) लगाए गए जिनकी रख रखाव का जिम्मा नामोकर व्रक्षम संस्थान को दिया गया। चौथे चरण में जरूरतमंदों को भोजन प्रकल्प के तहत महाराणा भूपाल चिकित्सालय में मानव सेवा समिति में रोगियों संग आने वाले 250 तीमारदारों को मीठा भोजन करवाया गया। उपरोक्त सेवा प्रकल्पों में केंद्र के अध्यक्ष वीर सुनील गांग, सचिव रविंद्र सुराणा, संयोजक जे. एस. पोखरना, स्वराज जैन, शीलू सुराणा, कृष्णा भंडारी, स्नेहलता गांग, दौलत सिंह भंसाली, प्रेमलता भंसाली, पीयूष भंसाली, दिनेश बजाज, राजेंद्र सिंह भंडारी, समर सिंह मेहता, हेमंत छाजेड़, हेमंत गोखरु, माणक मेहता, डॉ.आर.के.शर्मा, रागिनी शर्मा एवं कर्मचारी आदि की सेवाएं रही।

जिला स्तरीय खेलों में भी द साइंस एकेडमी एन एस पी स्कूल रावतसर बना सिरमौर

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। द साइंस एकेडमी के एनएसपी स्कूल के विद्यार्थीयो ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 20 से अधिक खेलों में हिस्सा लेते हुए अब तक हुए खेलों में 20 मेडल प्राप्त किए 8 गोल्ड , 4 सिल्वर और 8 कांस्य मेडल है बॉक्सिंग , वुशु , कुश्ती में 6 गोल्ड 4 सिल्वर 2 कांस्य मेडल प्राप्त किए , अन्य खेलों में दो गोल्ड मेडल हासिल किए हैं इन छात्र-छात्राओं में पलक ने गोल्ड मेडल, रुचिका गोल्ड मेडल अर्जुन गोल्ड मेडल , अरमान गोल्ड मेडल, नैतिक गोल्ड मेडल, दुष्यंत गोल्ड मेडल, दक्ष गोल्ड मेडल, आर्यन गोल्ड मेडल , नीलम सिल्वर मेडल, फिरोज खान सिल्वर मेडल, मानविंद्र सिल्वर मेडल, पीयूष सिल्वर, मेडल , यशवंत रजत मेडल ,आदित्य रजत मेडल , अनमोल रजत मेडल , साक्षी रजत मेडल ,चांदनी रजत मेडल ,कैलाश रजत मेडल, कुणाल सोनी रजत मेडल और पंकज ने रजत मेडल हासिल किया , विद्यालय परिवार द्वारा स्वागत करते सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया , इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक डॉक्टर पंकज पंडित , प्रिंसिपल रेणु मुद्गल ने विद्यालय के शारीरिक शिक्षक ऐकेंद्र , सतपाल जांगिड़ , सुनील गोदारा की प्रशंसा करते हुए बताया कि इनमें शारीरिक शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है , कार्यक्रम के अंत में स्टेट के लिए चयनित खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की ।

सामूहिक क्षमा वाणी पर्व बनाया

रेणु पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। अजमेर में शांतिनाथ जिनालय सर्वोदय कॉलोनी में सामूहिक क्षमावाणी पर्व धूमधाम से मनाया गया सर्वोदय कॉलोनी की रेणु पाटनी ने बताया कि पंडित आराध्या शास्त्री अभिषेक पूजा विधि जीने की कला भगवान की महिमा का गुणगान कैसे प्राप्त करें 10 धर्म विधान तत्वासूत्र का वाचन सामायिक प्रतिक्रमण सांस्कृतिक प्रोग्राम में ज्ञान कैसे प्राप्त हो इस विषय में बताया भैया जी के सानिध्य में रेणु पाटनी, अनिता गंगवाल, प्रिया पाटनी ने पंचमेरु के उपवास संगीता पाटनी, डां वीना पाटोदी, नीलम पाण्डया ने उपवास कर तप की आराधना की और क्षमावाणी पर्व पर अनिल गंगवाल मनीष पाटनी, सौरभ सुरलाया, सुयोग गंगवाल ने कलशाभिषेक किये ,बधाई गीत गाए गए । मंत्री विनय जी गदिया ने 10 दिनों में जिनालय में जिन्होंने भी सहयोग किया उन सभी का आभार व्यक्त किया।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

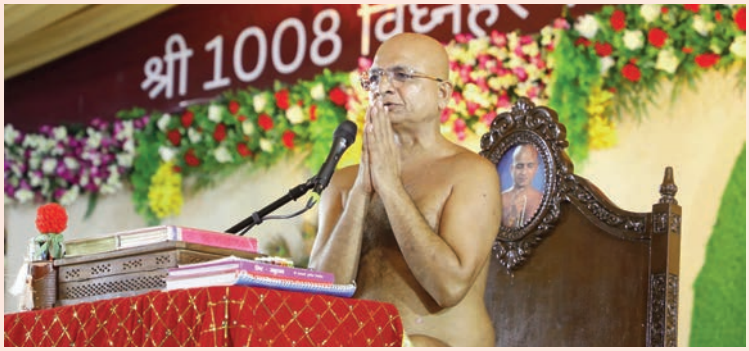

कुलचाराम हैदराबाद. शाबाश इंडिया। शब्द और जिव्हा हिलाकर माफ करने में वक्त नहीं लगता.. लेकिन मन और भावों से माफ करने में उम्र बीत जाती है..! अभी पर्वराज पर्युषण पर्व गये - लोगों ने एक दूसरे से क्षमा मांगी और लोगों ने भी हँसकर एक दूसरों के इस अभिवादन को स्वीकार किया। क्षमा का हमारे जीवन में अब इतना ही अर्थ है, कि गलती दूसरों से होती है, तो क्षमा हम तीसरे से मांगते हैं, या हमने गलती की और क्षमा दूसरों से मांग ली। क्षमा का जो आध्यात्मिक मूल्य है, वह अब एक ही शब्द में सिमट गया है। सॉरी। क्षमा मांगना सॉरी कहने जितना आसान नहीं है। क्योंकि

क्षमा से क्रोध का विसर्जन होता है,
नम्रता से - मान गलता है,
सरलता से - माया मिटती है, और
सन्तोष से मन के लोभ को जीतते हैं।

ये चारों वाक्य बहमूल्य अर्थ के बोध को देने वाले हैं। जो इनके अर्थ को समझकर जीना चाहते हैं वे कभी क्रोध के शिकारी नहीं बन सकते। क्रोध के पीछे अपेक्षाएं छुपी होती है। आप मन्दिर से घर जा रहे हैं, रास्ते में एक कुत्ता आपको देखकर भौंकता है, तब आप उस समय कोई भी प्रतिक्रिया नहीं देते, और यदि वहीं से आपका प्रतिद्वन्दी गुजर रहा हो और उसने आपको देखा और कहा कुत्ता - तब आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी-? कुत्ता भौंकता है तो कोई जवाब नहीं देता परन्तु आदमी - आदमी को देखकर भौंकता है तो आप नाराज हो जाते हैं और प्रतिक्रिया देना शुरू कर देते हैं। प्रतिक्रिया क्यों देना बाबू--? क्षमा का अर्थ है अपेक्षाओं को समाप्त करना। अन्यथा क्रोध का महल अपेक्षाओं की नींव पर ही टिका होता है। क्रोध तब आता है जब अपेक्षाओं की उपेक्षा होती है। क्रोध का सम्बन्ध अपेक्षाओं से है, तो क्षमा का सम्बन्ध दूसरों से नहीं बल्कि खुद के विवेक के बोध से है। जब आप स्वयं से सन्तुष्ट होते हैं, तो क्षमा का भाव पैदा होता है। क्षमा क्रोध के विपरीत नहीं है। क्षमा - क्रोध के अभाव का नाम है। अपेक्षाओं के सागर में ही क्रोध की लहरें हिलोरे मारती है...। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

पट्ट गणिनी आर्यिका विमलप्रभा माताजी संघ सानिध्य में तपस्वी सम्मान के साथ की गई परस्पर क्षमा याचना

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूजनीय पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमल प्रभा माताजी संघ सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में क्षमावाणी पर्व मनाया गया। इसी क्रम में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में तपस्वियों का सम्मान किया गया। वही तो इस सुबह की बेला में गुरु मां संघ सानिध्य में तपस्वीयो का पारणा कराया गया गुरु मां संघ ने सभी को मस्तक पर पिच्छिका लगाकर तप की अनुमोदना करते हुए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इसी के साथ सभी ने आलोचना पाठ पढ़ते हुए परस्पर क्षमायाचना की एवं समाज में उत्कृष्ट सेवा देने वालों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका ने सभी से एवं माताजी संघ ने परस्पर क्षमा याचना की। इस अवसर पर पाठशाला के मंगल कलश का सौभाग्य भगवानस्वरूप पदमकुमार को प्राप्त हुआ। रत्नत्रय की माला का सोभाग्य पदम कुमार मिथुन कुमार मित्तल परिवार को मिला सोलहकारण की माला का सौभाग्य श्रीमान नाथुला गजेंद्र कुमार सिंघल परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संघस्थ क्षुल्लिका 105 सुमैत्री श्री माताजी ने क्षमा के विषय पर प्रकाश डाला इस अवसर पर पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी ने कहा की क्षमा देना क्षमा याचना करने से कषायो का उन्मूलन होता है। उन्होंने कहा की क्षमा के बिना अहिंसा का पालन नहीं हो सकता। यह विश्व शांति का प्रतीक है। जिन धर्म से ही क्षमा आ सकती है। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज रामगंजमंडी स्नेहभोज भी आयोजित किया गया। इसके साथ ही अनंत चतुर्दशी की बेला दीप सजाओ भक्ति करो प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका कुशल संचालन शिप्रा विनायका ने किया।

आचार्य डॉ. शिवमुनिजी वैराग्य, तप, ज्ञान और ध्यान के स्तंभ: युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज

आचार्य शिवमुनि जी महाराज के 83वें जन्मोत्सव पर एएमकेएम में हुआ गुणगान

चैन्नई. शाबाश इंडिया

आचार्य डॉ. शिवमुनि जी महाराज को वैराग्य, तप, ज्ञान और ध्यान का अद्वितीय स्तंभ बताया गया है। बुधवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनंद दरबार में उनके 83वें जन्मोत्सव के अवसर पर श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने आचार्य डॉ. शिवमुनि के गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आचार्य शिवमुनि जी महाराज एक जीवंत प्रेरणा हैं, जिनका जीवन समर्पण, साधना और अध्यात्म के उच्च आदर्शों से ओतप्रोत है। उन्होंने बताया कि 1942 में पंजाब के मलोट मंडी में एक ओसवाल जैन परिवार में जन्मे आचार्य शिवमुनि का बचपन आत्मीय और आध्यात्मिक वातावरण में व्यतीत हुआ। उनका नाम शिवकुमार रखा गया था, और उन्हें दादा-दादी का स्नेह तथा परिवार के बड़ों का आदर प्राप्त हुआ। ऐसे वातावरण में उनका व्यक्तित्व संस्कारों और मूल्यों से परिपूर्ण हुआ। बचपन में ही उन्हें श्रमण संघ के तीन आचार्यों का सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिससे उनके जीवन में अध्यात्म और साधना के बीज अंकुरित

हुए। आचार्य शिवमुनि जी महाराज ने 17 मई 1972 को संयम जीवन का व्रत धारण किया। उनका पहला लक्ष्य अध्ययन और साधना था, और इस पथ पर उन्होंने पीएचडी और डी.लिट जैसी उच्चतम शैक्षिक उपलब्धियां हासिल कीं। युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी ने बताया कि उस समय साधुओं के उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर समाज में चर्चा होती थी, लेकिन आचार्य शिवमुनि ने अपने ज्ञान की प्यास और साधना की गहराई से इस धारणा को बदल दिया। वे पिछले 39 वर्षों से वर्षीतप की आराधना कर रहे हैं, और अपने आत्मविश्वास और साधना से उन्होंने असंख्य लोगों को प्रेरित किया है। उनकी साधना में कोई समझौता नहीं हुआ, चाहे वे युवाचार्य बने हों या आचार्य। उनका आत्मविश्वास उनकी गहन साधना और ध्यान की प्रक्रिया से विकसित हुआ है। भगवान महावीर की साधना और ध्यान को अपनाने में उनकी गहन रुचि रही है, और वे हर स्थान पर जाकर ध्यान के गूढ़ सूत्रों को ग्रहण करते हैं। महेंद्र ऋषि जी ने आचार्य शिवमुनि की करुणा, वात्सल्य और साधना के प्रति उनकी अद्वितीय समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आचार्य शिवमुनि जी ने अपने जीवन में महावीर के आदर्शों को पूरी तरह आत्मसात किया है। उन्होंने कभी भी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया, बल्कि प्रभु महावीर को ही अपना आदर्श मानते हुए अपना जीवन उन्हें समर्पित किया। महासती अणिमाश्री जी ने आचार्य शिवमुनि को चारित्र के 'दिवाकर' और दर्शन के 'सुधाकर' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने आचार्य शिवमुनि जी की गहन साधना और ज्ञान की प्यास की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रतिदिन 10 घंटे ध्यान साधना करते हैं, और सभी को ध्यान साधना से जुड़ने और आत्मनिर्माण करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर सिकंदराबाद, मुंबई, दुर्ग, पूना, चंद्रपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्तजन युवाचार्य महेंद्र ऋषि के दर्शन और वंदन के लिए उपस्थित हुए। गोरेगांव मुंबई मेवाड़ स्थानकवासी श्री संघ के अध्यक्ष दिलीप नाबेड़ा के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने युवाचार्यश्री के वर्ष 2025 मे मेवाड़ संघ मे चातुर्मास की विनती की। सभा का संचालन कमल छल्लाणी द्वारा किया गया।

क्षमावाणी पर्व पर विशेष

क्षमावाणी : मनोमालिन्य धोने का पर्व

ललितपुर. शाबाश इंडिया

भारत की प्राचीन श्रमण संस्कृति की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण 'जिन' परम्परा ने क्षमा को पर्व के रूप में प्रचलित किया है। इसे क्षमावाणी भी कहते हैं। क्षमा को सभी धर्मों और संप्रदायों में श्रेष्ठ गुण करार दिया गया है। मनोविज्ञानी भी क्षमा या माफी को मानव व्यवहार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि यह इंसान की जिन्दगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। क्षमावाणी पर प्रमुख मनीषियों, विचारकों के विचार यहां प्रस्तुत हैं।

1.क्षमावणी का पर्व सौहार्द, सौजन्यता और सद्भावना का पर्व :

क्षमा करने और क्षमा माँगने के लिए विशाल हृदय की आवश्यकता होती है। तीर्थंकरों ने सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना के लिए सूत्र दिया है–

खम्मामि सव्वजीवाणं, सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ती मे सव्वभूदेसु, वेरं मज्झम ण केणवि।।

अर्थात मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे भी क्षमा करें। मेरी सभी जीवों से मैत्री है। किसी के साथ मेरा कोई वैर भाव नहीं है। क्षमावणी का पर्व सौहार्द, सौजन्यता और सद्भावना का पर्व है। आज के दिन एक दूसरे से क्षमा मांगकर मन की कलुषता को दूर किया जाता है।

-मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज
(आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य जिनका मड़ावरा में चातुर्मास चल रहा है।)

2.क्षमा वीरों को आभूषण है:

मानवता जिन गुणों से समृद्ध होती है उनमें क्षमा प्रमुख और महत्वपूर्ण है। कषाय के आवेग में व्यक्ति विचार शून्य हो जाता है और हिताहित का विवेक खोकर कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। लकड़ी में लगने वाली आग जैसे दूसरों को जलाती ही है, पर स्वयं लकड़ी को भी जलाती है। इसी तरह क्रोध कषाय को समझ कर उस पर विजय पा लेना ही क्षमा धर्म है।क्षमा वीरों को आभूषण है।

-ब्र. जयकुमार निशान्त भैया
निर्देशक प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ एवं महामंत्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि परिषद

3. क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है :

मानव जीवन है तो भूल और गलतियां मानव स्वाभाव के कारण होना निश्चित है हम उन गलतियों और भूलो को समयाभाव और इस भागदौड़ भरी जिंदगी में आपसे क्षमा याचना भी नहीं कर पाते हैं। क्षमावाणी पर्व पर हमें अवसर मिलता है सालभर हुई अपनी भूलों के लिए सभी से क्षमा मांगने का।

क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमाशीलता का भारी महत्व है।

प्रदीप जैन आदित्य
पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार

4.क्षमावणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता धोता है :

क्षमावणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता बैर–दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है, हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठों को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदले, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत–घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें। अनुसंधानकर्ताओं ने यह निष्कर्ष निकाला है कि लम्बे समय तक मन में बदले की भावना, ईर्ष्या–जलन और दूसरों के अहित का चिन्तन और प्रयास करने पर मनुष्य भावनात्मक रूप से बीमार रहने लगता है।

-डॉ सुनील जैन संचय
मंत्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर-उत्तराखंड

5. अन्तर्मन को साफ करने का पर्व :

क्षमा ने ही युगों-युगों से मानव-जाति को नष्ट होने से बचाया है।जीवन यात्रा में चलते- चलते स्वार्थ, मोह, अज्ञानतावश जाने-अनजाने हुई समस्त भूल के लिए सच्चे स्वच्छ हृदय से विश्व मैत्री दिवस 'क्षमावाणी' पर क्षमा मांगकर अन्तर्मन को साफ किया जाता है।

-संजीव जैन शास्त्री महरौनी
संयुक्तमंत्री विद्वत परिषद

अनन्त चतुर्दशी पर श्री जी की माल श्योपुर मंदिर

जयपुर. शाबाश इंडया। श्योपुर के श्री चन्द्रप्रभू दिगंबर जैन मन्दिर में अनन्त चतुर्दशी पर जयकारों के बीच सायंकाल श्री जी के कलशाभिषेक किये गये। इस मौके पर श्री जी की माल का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी नेमीचन्द, महावीर कुमार, चेतन जैन बाकलीवाल निमोडिया वालों ने प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि निमोडिया के नेमी चन्द चेतन जैन बाकलीवाल परिवार द्वारा वर्ष 2007 से लगातार अनन्त चतुर्दशी पर श्री जी की माल का पुण्यार्जन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी श्री जी की माल का पुण्य संचय किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन सभा जयपुर के महामंत्री मनीष बैद सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने निमोडिया परिवार के पुण्य की बहुत बहुत अनुमोदना करते हुए उन्हें बधाई दी है।

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में सामुहिक क्षमावाणी पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व उपरान्त समाज ने सामुहिक क्षमावाणी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।इससे पूर्व श्रीजी के कलशाभिषेक किए गए।सांयकाल में वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने पुण्यार्जक परिवार महावीर प्रसाद, शांति देवी, डा.लवलीश, डा. नीतू, डा. अकलीश, डा.अंशु, आर्यन, थंव, अन्मय जैन आदिनाथ ईएनटी वाले एवं परिवार का माला पहना कर स्वागत किया। पुरस्कार वितरण के पुण्यार्जक महेंद्र, रेणु, अनिला, अमीषा, अमन, बिलाला एवं परिवार थे। ।समारोह में गत दस दिनों में सहयोग देने वाले समाज सेवियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। आरती सजाओं प्रतियोगिता के विजेताओं को के सी जैन द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।कार्यक्रम में जैन समाज के गणमान्य व्यक्ति तथा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे एवं क्षमा याचना की।

दस दिवसीय दसलक्षण महापर्व समापन के साथ क्षमा वाणी महापर्व बहुत धूमधाम से श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मनाया गया

लालगोला, मुर्शिदाबाद. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन समाज लालगोला (मुर्शिदाबाद) में दस दिवसीय दसलक्षण महापर्व समापन के साथ क्षमा वाणी महापर्व बहुत धूम धाम से श्री दिगम्बर जैन मंदिर में मनाया गया।जिसमें आज सुबह समाज के भक्तो के द्वारा अभिषेक शांतिधारा के साथ क्षमा वाणी की पूजन किया गया पूजन के पश्चात सभी दसलक्षण व्रत धारियों का सम्मान समारोह जैन धर्मशाला के समारोह भवन में सभी व्रत धारी को स्टेज पर बिठाया गया ।इसके बाद समाज के सभी पदाधिकारि गण ने सभी व्रत धारी दिशा छाबडा,नमन छाबडा,दिया छाबडा ओर रत्नत्रय व्रत धारी गुणमाला छाबडा को माला पहनाकर ओर मोमेंटो देकर सम्मान किया साथ ही कहा कि ये बहुत गर्व की बात है कि छोटे से गांव ओर पूरे मुर्शिदाबाद 10 गांव में लालगोला में 3 दसलक्षण व्रत किया यह हम सब का सौभाग्य है और इन सभी व्रतधारी के जीवन मे खुशियां ओर धर्म के प्रभावना बढ़े।स्वागत के पश्चात सभी व्रतधारियों को गाजे बाजे के साथ घर घर पहुँचाया गया ।संध्या के श्री जी का अभिषेक किया गया इसके पश्चात भव्य आरती के समापन पर समाज के पदाधिकारि ने सभी से क्षमा

मांगते हुवे क्षमा वाणी कार्यक्रम चालू हुवा सभी ने एक दूसरे से क्षमा मांगा।इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष ज्ञान चंद जैन मंत्री मनोज छाबडा, विमल छाबडा,अनिल छाबडा,संतोष छाबडा,सुनील जैन,दीपक जैन,अजय छाबडा,गुवाहाटी से आये राज कुमार छाबडा,डिमापुर से आई सुनीता जैन,भागलपुर समाज के मंत्री पदम चंद जैन पाटनी,इंदौर से आये संदीप जैन,कोलकोत्ता से आये सिद्धान्त छाबडा,कोडरमा से आये राज कुमार अजमेरा आदि उपस्थित थे

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने किये दस दिन के निराहार उपवास की त्याग तपस्या

त्यागी व्रतियों की निकली शोभायात्राएं, समाज बन्धुओं ने किया अभिनन्दन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के दशलक्षण महापर्व के दौरान दस दिन के उपवास करने वाले, कर्म निर्झरा तेला एवं रत्नत्रय व्रत व तेला के तीन दिन के निराहार रहकर उपवास करने वाले त्यागी व्रतियों के उपवासो की अनुमोदना करते हुए बुधवार को शहर के कई दिगम्बर जैन मंदिरों में शोभायात्राऐं निकाली गई। इससे पूर्व समाज बन्धुओं द्वारा माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया गया।तत्पश्चात उनके निवास पर पारणा करवाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सूर्य नगर तारों की कूट पर दशलक्षण महापर्व के दौरान दस दिन के उपवास करने वाली तपस्वी प्रमिला पाटनी को बग्घी में बैठाकर उनकी बैण्ड बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर विनोद जैन कोटखावदा, दिलीप पाटनी, राजेश गंगवाल, नीरु छाबड़ा, दीपिका जैन कोटखावदा, मुकेश चांदवाड, पंकज पाण्डया सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। इसी प्रकार से दुगार्पुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के दौरान 400 परिवारों के बीच में दस दिन के उपवास करने वाली अकेली रुचि जैन को प्रातः गाजो बाजों के साथ मंदिर से उतारा जाकर धूमधाम से उनकी शोभायात्रा निकाली गई। बग्घी में बैठाकर शोभायात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई उनके निवास पर पहुची जहां पर जयकुमार - छवि जैन, नितेश जैन, मनोज सोगानी, प्रकाश चांदवाड, राजेन्द्र काला, यशकमल अजमेरा, भारतभूषण जैन, रेखा लुहाडिया, रेखा पाटनी, रानी सोगानी सहित कई गणमान्य लोगों ने रुचि जैन का अभिनन्दन किया। श्री जैन के मुताबिक कीर्तिनगर, श्यामनगर, चित्रकूट कालोनी, प्रतापनगर, बापूनगर, जवाहर नगर, मीरामार्ग, थड़ी मार्केट अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, दुगार्पुरा, मालवीय नगर सहित कई मंदिरों, कालोनियों में शोभायात्राऐं निकाली गई। तत्पश्चात उनको पारणा करवाया गया।

जैन मंदिर कीर्तिनगर में मनाई क्षमावाणी

क्षमा से हो सकता है विश्वव्यापी समस्याओं का समाधानः मुनिश्री श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

दशलक्षण महापर्व के तहत टोंक रोड,कीर्ति नगर के जैन मंदिर में बुधवार को क्षमावाणी धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर जहां सुबह श्रीजी के कलश व विशेष पूजा जहां सुबह हुई। इस मौके पर उपस्थित समाजबंधुओं ने खोपरा मिश्री खिलाकर वर्षभर में हुई गलतियों के लिए ऐक-दूसरे से क्षमा मांगी। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण काला,महामंत्री जगदीश जैन व प्रचार संयोजक आशीष बैद ने बताया कि अनंत चतुर्दषी पर धार्मिक कार्यक्रम सुबह से ही शुरू हो गए। सर्व प्रथम सुबह श्री अभिषेक व शांतिधारा के बाद साजों के बीच पूजा हुई। इस दौरान आसपास पूजन की स्वर लहरियों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि क्षमा पर्व। इस दिन श्रावक और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- ''मिच्छा मे दुक्कडं'' अर्थात मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं। दस धर्मों एवं रत्नत्रय की आराधना से मन में कटुता समाप्त होकर निर्मलता आती है। क्षमाभाव आत्मा का स्वरूप है, जिसमें करुणा और परस्पर मैत्रीभाव का दर्शन होता है। जैन धर्म संस्कृति में क्षमा धर्म है. क्षमा मन की मलीनता को समाप्त कर परस्पर सहअस्तित्व के भाव जगाता है. क्षमाधर्म संसार के समस्त प्राणियों के प्रति सहानुभूति रखने का संदेश है। उन्होंने आगे कहा कि क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र है।

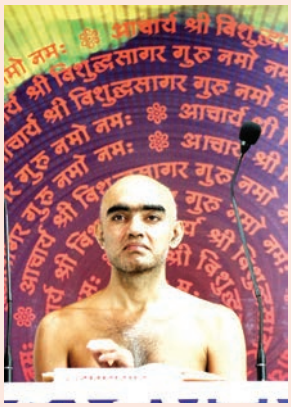

क्रोध न करना ही क्षमा का दूसरा नाम है। क्षमा मांगने की नहीं स्वयं के अंदर उतारने की आवश्यकता है। जैसे रूप का आभूषण गुण है और गुण का आभूषण ज्ञान है। उसी तरह ज्ञान का आभूषण क्षमा है। क्षमा से विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि क्षमाधर्म दशलक्षण धर्म का वैशिष्ट्य है. प्राकृत भाषा में क्षमा पाने के लिए ''मिच्छामि दुक्कड़म्'' का अर्थ है जाने अनजाने में हुई त्रुटियों के लिए क्षमा परस्पर क्षमा याचना करना और दूसरों को क्षमा करना है। क्षमा दिवस आध्यात्मिक पर्व है। अंतस के मूलगुण किसी धर्म-संप्रदाय से बंधे नहीं होते, इसीलिए क्षमा पर्व सर्वधर्म समन्वय का आधार है। उन्होंने आगे कहा कि क्षमावाणी पर्व राग-द्वेष,अहंकार से भरे इस संसार में अपने-अपने हितों और अहंकारों की गठरी को दूर करने का मौका देता है। जाने-अनजाने में लोगों के दिलों को अथवा खुद की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाते हैं। ऐसी बातों को अपने मन से दूर करने और दूसरों के दिलों को दुखाए जाने से जो कष्ट हमारे द्वारा उन्हें प्राप्त हुआ है,उन सब बातों को दूर करने का यही एक अच्छा मौका होता है। क्षमावाणी पर्व पर हम क्षमा का दान देकर जीवन में हुई बुराइयों को समाप्त कर सकते हैं।

भगवान सहाय टोडवाल अध्यक्ष व श्रीकिशन कूलवाल सचिव बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री घाट दरवाजा खंडेलवाल वैश्य समाज समिति के तत्वावधान में घाटगेट बाजार स्थित श्री केशवराय जी मंदिर में घाटगेट चौकड़ी खंडेलवाल समाज के चुनाव एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हुए चुनाव में भगवान सहाय टोडवाल को अध्यक्ष, भगवान दुसाद को उपाध्यक्ष, श्रीकिशन कूलवाल(बंटी) को सचिव, अरविंद माली को कोषाध्यक्ष व अमित बटवाड़ा को सहसचिव चुना गया,निर्वतमान अध्यक्ष रामेश्वरलाल डंगायच को संरक्षक चुना गया। इसके अलावा संतोष बुसर,रामवतार मेठी, ओमप्रकाश डंगायच, मुकेश कट्टा, राम पीतलिया, अशोक धोकरिया को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। निर्वतमान अध्यक्ष रामेश्वरलाल डंगायच को संरक्षक चुना गया। सचिव श्रीकिशन कूलवाल(बंटी) ने बताया कि मन्दिर में शिव जी की आरती व श्रंगार किया गया। आयोजन के मौके पर समाज के मेघावी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

ज्ञानतीर्थ टोडरमल स्मारक भवन में मनाया क्षमावाणी

क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्रः सुमतप्रकाश जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर के बैनर तले बापू नगर स्थित ज्ञानतीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में क्षमावाणी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर उपस्थित समाजबंधुओं ने वर्षभर में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगी। महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि बुधवार सुबह श्रीजी के अभिषेक के बाद पर साजों के बीच दशलक्षण विधान हुआ। इस दौरान धन्य-धन्य आज घड़ी कैसी सुखकार है...जैसे भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए विश्व सविख्यात बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जैन, खनियाधाना ने क्षमावाणी पर्व पर बोलते हुए कहा कि क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र है। क्रोध न करना ही क्षमा का दूसरा नाम है। क्षमा मांगने की नहीं स्वयं के अंदर उतारने की आवश्यकता है। जैसे रूप का आभूषण गुण है और गुण का आभूषण ज्ञान है। उसी तरह ज्ञान का आभूषण क्षमा है। क्षमा से विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान हो सकता है। क्रोध हर जीव का सबसे बड़ा शत्रु है। उसे जीतना ही उत्तम क्षमा है। क्षमा पर्व। इस दिन श्रावक (गृहस्थ) और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- ''मिच्छा मे दुक्कडं'' अर्थात मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं।

कवि सम्मेलन में ख्यातनाम कवियों ने सुनाई कविताएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

दशलक्षण महापर्व के अवसर पर वैशाली नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस मौके पर ख्यातनाम

कवियों ने हम कम है पर कमजोर नहीं,कोई चाल नहीं चलने देंगे, तीर्थराज को शिमला नैनीताल नहीं बनने देंगे जैसी कविताएं सुनाकर देर रात तक श्रोताओं को सुनाई और वाही-वाही लूटी। मंदिर समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बड़जात्या व कार्यक्रम के आयोजक प्रवीण एवं विकास बड़जात्या कि कवि सम्मेलन में उदयपुर के वीर रस के कवि सिद्धार्थ देवल, जबलपुर के हास्य-व्यंग के कवि मुकेश मनमौजी, कोटा के जैन दर्शन गीतकार दिव्य कमलध्वज चंचू व फरीदाबाद के हास्य कवि कुलदीप ब्रजवासी फरीदाबाद ने कविताएं सुनाकर श्रोताओं की खूब दाद पाई। कवि सम्मेलन का संचालन राष्ट्रीय कवि डॉ.कमलेश जैन ''वसंत'' ने किया। उन्होंने बताया कि प्रतीक जैन, दीपक जैन, हितेश बड़जात्या व विपुल जैन कवि सम्मेलन के संयोजक रहे।

जैन मंदिर जवाहर नगर में पड़वा धोक (क्षमावाणी) का पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर जवाहर नगर में उपवास करने वाले त्यागियों को मंदिर समिति, महिला मंडल द्वारा तिलक लगा कर स्वागत किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र बक्शी और मंत्री अजय गोधा ने बताया कि श्रीजी के कलशाभिषेक के बाद आरती का पुण्यार्जन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओ ने पड़वा ढोक(क्षमावाणी) का पर्व मनाया। समाज बंधुओं ने वर्ष भर जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए रिश्तेदारों, परिचितों, परिजनों और मित्रों से क्षमा मांगी और खोपरा मिश्री खिलाया। श्री जी कि मॉल लेने का सौभाग्य प्रेम देवी, शशि और विनोद तिजारिया को प्राप्त हुआ।

'सबको क्षमा सबसे क्षमा'-क्षमा की महत्ता बताता है क्षमावाणी महापर्व

जैन समुदाय ने क्षमावाणी महापर्व पर जाने अनजाने हुई समस्त गलतियों के लिए एक दूसरे से की क्षमा याचना

सीकर. शाबाश इंडिया। जैन समुदाय द्वारा दशलक्षण महापर्व के समापन पर बुधवार को क्षमावाणी का पावन पर्व मनाया जाता है। क्षमावाणी पर्व : क्षमा शब्द मानवीय जीवन की आधारशिला है और अहंकार को दूर हटाकर क्षमा धारण करने का यह महापर्व है । यह पर्व अहंकार, कषाय, अभिमान , अहम्को दूर रखकर धर्म के मार्ग पर चलते हुए सभी को क्षमा करने और सभी से माफी मांगने की सीख देता है।समाज के पंडित जयंत शास्त्री ने बताया कि क्षमा वीरस्य भूषणम अर्थात जिसके जीवन में क्षमा है, वही सही मायनो में महान है ।यह तो वीरों का आभूषण है । कहा गया कि क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र है। क्रोध न करना ही क्षमा का दूसरा नाम है। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि क्षमा मांगने की नहीं स्वयं के अंदर उतारने की आवश्यकता है। जैसे रूप का आभूषण गुण है और गुण का आभूषण ज्ञान है। उसी तरह ज्ञान का आभूषण क्षमा है। क्षमा से विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान हो सकता है। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया बुधवार को प्रातः दसलक्षण व्रतियों का पारणा उनके निवास स्थान पर हुआ ।व्रती सौरव अजमेरा सुपुत्र मनोज ममता अजमेरा के निवास स्थान पर पारणा पश्चात बावड़ी गेट स्थित बड़ा मंदिर से जैन भवन तक शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान व्रती का जगह जगह अभिनंदन कर उसके तप की अनुमोदना समाज द्वारा की गई । व्रती आयुषी दीवान सुपुत्री संजय रेणु दीवान ने भी प्रातः मंदिर जी में जिनेन्द्र प्रभु के दर्शन कर अपने इस कठोर तप का समापन किया । इसके पश्चात पारणा उनके निवास स्थान पर हुआ । व्रती दीक्षा बिनायक्या सुपुत्री डा.विकास डा.सोनाली बिनायक्या का पारणा बुधवार को जयपुर निवास में हुआ , गुरुवार को उनकी शोभायात्रा देवीपुरा जैन मंदिर से निकाली जाएगी।

दशलक्षण पर्व समापन पर क्षमायाचना, तपस्वियों की शोभायात्रा निकाली, कराए पारणा

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क मंदिर में हुआ आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। दिगम्बर जैन समाज के दसलक्षण (पर्युषण) महापर्व के समापन पर बुधवार को आचार्य श्री सुंदरसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क मंदिर में क्षमायाचना पर्व मनाया गया। सुबह भक्तिपूर्ण माहौल में मुख्य शांतिधारा व अभिषेक हुआ। सुपार्श्वनाथ मंदिर में मुख्य शांतिधारा व आरती का सौभाग्य भागचंद कमल गोधा परिवार को प्राप्त हुआ। इसके बाद उपवास करने वाले तपस्वियों की भव्य शोभयात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालुगण जैन धर्म की आराधना के गीतों पर नाचते-गाते चल रहे थे। इसके बाद आचार्य सुंदरसागरजी ससंघ के सानिध्य में दस,पांच व तीन उपवास करने वाले तपस्वियों के पारणे संयम भवन में करवाए गए। इसमें सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। इसके बाद आचार्य सुंदरसागरजी महाराज द्वारा दस उपवास की तपस्या आराधना पूर्ण होने पर उन्हें पारणा (आहार) कराया गया। तप उपवास करने वाले तपस्वी अपने निवास से मंदिर तक बग्गियों में बैठकर बैण्डबाजों के साथ पहुंचे एवं भगवान से विनती की। दोपहर में मंदिर में आचार्यश्री ससंघ के सानिध्य में कलशाभिषेक समारोह हुआ। इसमें श्रद्धा व भक्ति के साथ भगवान का अभिषेक किया गया। इसके बाद वहां मौजूद सभी समाजजनों ने सामूहिक रूप से एक-दूसरे से क्षमायाचना की। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने पर्युषण एवं चातुर्मास के सफल आयोजन में सहयोग देने पर सभी संस्थाओं त्रिशला महिला मण्डल, ज्ञानवान महिला मण्डल, सुपार्श्वनाथ जागृति मंच, सुपार्श्वनाथ सोशियल समिति के सभी सदस्यों सहित भीलवाड़ा सकल दिगम्बर जैन समाज का अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से दशलक्षण पर्व के दौरान भरपुर तपस्याएं एवं भक्ति हुई ओर आचार्यश्री के सानिध्य में एतिहासिक चातुर्मास गतिमान है।

जनकपुरी में क्षमा पर्व पर तप साधकों का हुआ सम्मान

अभिषेक के बाद आपस में मन वचन काय से की गयी उत्तम क्षमा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी -ज्योतिनगर जैन मंदिर में सोमवार को दशलक्षण महापर्व महोत्सव की समाप्ति पर क्षमा पर्व का आयोजन हुआ ।प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि 32 दिन के सोलह कारण व्रत शकुंतला बिंदायक्या ने 10 दिन के दशलक्षण उपवास / व्रत शीला सेठी, आशीष पाटनी, मीनू गदिया व प्रमोद पाटनी ने तथा तेला उपवास प्रिया साखूनियां, ज्योति जैन, सौरभ जैन, रीति बिंदायक्या आशीष सेठी, परिधि बोहरा, रुचि जैन व अंतिमा जैन ने किए है। प्रातः सभी को मंदिर जी से बग्गी में बैठा कर उनके घर तक गाजे बाजे के साथ जुलूस निकाला गया। शाम को पांडाल में पाण्डुशीला पर श्री जी को विराजमान कर क्षमा पर्व के विशेष अभिषेक किए गए । इस मध्य प्रबंध समिति द्वारा तप साधकों का अभिनंदन कर अनुमोदना की गई। साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्ति पर मानवी जैन, मनोज्ञ पाटनी व आयुषि भोंच का अभिनंदन किया गया ।इधर अध्यक्ष पदम जैन बिलाला द्वारा दस दिन में धर्म प्रभावना के लिए शिखर चंद जैन व किरण जैन का तथा युवा मंच, महिला मंडल व सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। श्री जी की माल पहनने का सौभाग्य वीरेंद्र दौलत विपिन बडजात्या परिवार को मिला । श्री जी की सामूहिक आरती के बाद सभी ने आपस में क्षमा याचना करते हुआ गत वर्ष हुई गलतियों के लिए प्रायश्चित किया।

सांगानेर चित्रकूट में दशलक्षण पर उपवास करने वाले तपस्वियों का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर चित्रकूट में दशलक्षण पर उपवास करने वाले तपस्वियों का भव्य जुलूस निकाला गया। मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया ने बताया अंजू बोहरा धर्म पत्नी अनिल बोहरा और श्रीमती बबिता सोगानी ने दस दिवसीय साधना कर अपने जीवन को धन्य किया। राष्ट्र गौरव गणिनी भरतेशवर मति माता जी का मंगल आशीर्वाद इस मंदिर पर अनुकम्पा रही जो ये मंदिर उन्नति की ओर बडकर जिनशासन की प्रभावना कर रहा हे। मंदिर कमेटी के प्रबंध कारिणी समिति और समाज बंधुओ ने स्वागत तपस्वियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर योगेश पाटनी, दीपक पहाड़िया, ओम कटारिया, संतोष सोध्या, बालमुकुंद जैन , केवल चंद जैन अध्यक्ष समाज के सभी ने भव्य जुलूस के साथ तपस्वी का स्वागत अभिनंदन किया तथा उनकी अनुमोदना की।

दिल्ली के फैशन शो में लेकसिटी के मॉडल बिखेरेंगे फैशन का जलवा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आइएएमजी की ओर से 28 सितम्बर को दिल्ली में आयोजित होने वाले रहे फैशन शो में उदयपुर के 19 मॉडल कैटवॉक कर फैशन का जलवा दिखाएंगे। इसे लेकर बुधवार को शहर की एक निजी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मेल- फीमेल मॉडल्स ने रैंप वॉक किया। इस अवसर पर फैशन शो से जुड़े आइएएमजी के तेजस बारूवाल ने कहा कि उदयपुर की फैशन प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने के प्रायोजन से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इससे ये सभी प्रतिभागी अपना हुनर दुनिया के सामने ला सकेंगे। इसमें प्रतिभागिता से तमाम मॉडल्स दिल्ली जैसे महानगर के बड़े मंच पर कैमरे के सामने ग्लैमर की दुनिया को करीब से देख पाएंगे। इस दौरान मेकअप आर्टिस्ट वंशिका और शशि प्रजापत ने अपने अनुभव साझा करते कहा कि सामान्य कद काठी और साधारण नाक नक्श वाले व्यक्तित्व को निखारने में मेकअप और बेहतर मार्गदर्शन की भूमिका बहुत ही महतवपूर्ण होती है। **रिपोर्ट/ फोटो : दिनेश शर्मा**

पल्लीवाल मंदिर में वासुपूज्य भगवान का निर्वाण लाडू बड़े ही भक्तिभाव से चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अनन्त चतुर्दशी के दिन श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर में वासुपूज्य भगवान का निर्वाण लाडू बड़े ही भक्तिभाव से चढ़ाया गया। विधानाचार्य अमित जी शास्त्री के निर्देशन में दसलक्षण विधान में बैठे सोधर्म इंद्र और इंद्राणी राजकुमार ओर राजकुमारी बेद ओर सभी इंद्र इंद्राणियो ने मिलकर उत्तम ब्रह्मचर्य की पूजा की ओर मंडल पर अरघ समर्पित किया। मंदिर अध्यक्ष शिखर जी और मंत्री पारस ने बताया की इस विधान में समाज के लोगो ने बहुत ही धर्म प्रभावना से भाग लिया। प्रकाश सेठी, टीकम, सुरेश , प्रमोद गंगवाल, बाबूलाल , महावीर प्रसाद सभी इंद्रो ने विधान में रत्नों की वर्षा की। सुनीता अजमेरा, मीनू गंगवाल, रजनी , अंकिता, नेहा, मीतू, रमिता, ज्योति, बरखा आदि अन्य महिलाओं ने विधान को सुचारू रूप से संपन्न कराने में अपना योगदान दिया।

क्षमावणी दिवस पर तपस्वी वीरों का हुआ सम्मान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन समाज की ओर से इस वर्ष दस लक्षण पर्व के दौरान निराहार रहकर उपवास करने वाले तपस्वी वीरों का क्षमावणी दिवस पर सम्मान किया गया। दस लक्षण पर्व के दौरान 10 उपवास करने वाले अमिता पाटनी, अंकिता बड़जात्या व प्रेरणा सोनी, पांच या अधिक उपवास करने वाले महावीर प्रसाद बड़जात्या, सरोज बड़जात्या, शिखा बड़जात्या, शिप्रा पाटनी, ऋतु अजमेरा, सोनम सेठी, अनीता बिलाला व काव्य सेठी तथा तीन उपवास करने वाले आरती बाकलीवाल, दीपा बिलाला, सीमा सेठी, सीमा बड़जात्या, कान्ता सेठी, अर्पिता बाकलीवाल व सुधा अजमेरा का बुधवार को क्षमावणी दिवस पर समाधि पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मान किया गया।

कलशाभिषेक के साथ क्षमावणी पर्व सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन समाज की ओर से कलशाभिषेक के साथ क्षमावणी पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। क्षमावणी पर्व के अवसर पर बुधवार को दोपहर में नगर के सभी जैन मंदिरों में भगवान जिनेंद्रदेव के कलशाभिषेक का कार्यक्रम हुआ। सभी जैन धर्मावलंबी ताराचंद सेठी की नसिया से जुलूस के रूप में बैंड-बाजे के साथ नगर के सभी जैन मंदिरों से होते हुए आचार्य ज्ञानसागर समाधि मंदिर पहुंचे जहां कलशाभिषेक के बाद त्यागीव्रतियो का सम्मान किया गया। सायं मुख्य बाजार स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में महाआरती के बाद सामूहिक क्षमावणी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें जैन धर्मावलंबियों ने एक दूसरे से गत वर्ष में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगी।

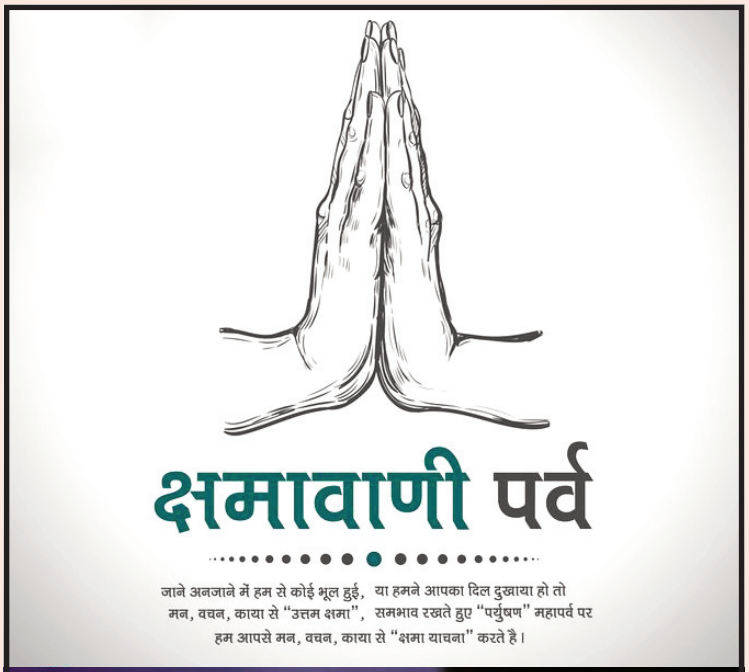

राकेश-समता गोदिका

सम्पादक : शाबाश इंडिया समाचार पत्र